RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 194 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 09-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में भाजपा अगली सरकार बनाएगी : शुभेंदु अधिकारी

6 गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

7 चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम

फर्स्ट टेक

रूसी जनरल पर हमले को लेकर एक संदिग्ध हिरासत में : रूस

मास्को/एपी। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा ने रविवार को कहा कि मॉस्को में रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के उप प्रमुख को गोली मारने के मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति को दुबई में हिरासत में लिया गया और बाद में उसे रूस को सौंप दिया गया। जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव को शुक्रवार को उत्तर पश्चिमी मॉस्को के एक अपार्टमेंट भवन में एक हमलावर ने कई गोली मारी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने बताया कि रूसी नागरिक ल्युबोमिर कोरबा को दुबई में गोलीबारी करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है।

ईरान ने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित नर्गिस मोहम्मदी को सात साल जेल की सजा सुनाई

दुबई/एपी। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित नर्गिस मोहम्मदी को भूख हड़ताल शुरू करने के बाद सात साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई है। उनके समर्थकों ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहम्मदी के समर्थकों ने उनके वकील का हवाला दिया, जिन्होंने मोहम्मदी से बात की। मोहम्मदी के वकील मुस्तफ़ा निली ने 'एक्स' पर सजा सुनाए जाने की पुष्टि की। उन्होंने पोस्ट किया, ''मोहम्मदी को जमावड़े और साठगांठ के लिए छह साल की जेल और प्रचार के लिए डेढ़ साल की जेल और दो साल के यात्रा प्रतिबंध की सजा सुनाई गई है।'' ईरान की तरफ से अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं आई है। मोहम्मदी के समर्थकों का कहना है कि वह दो फरवरी से भूख हड़ताल पर हैं।

एप्स्टीन फाइल: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के 'चीफ ऑफ स्टाफ' ने इस्तीफा दिया

लंदन/एपी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के 'चीफ ऑफ स्टाफ' ने यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के साथ संबंधों के बावजूद अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत के रूप में पीटर मैंडेलसन की नियुक्ति को लेकर विवाद के बीच रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री के 'चीफ ऑफ स्टाफ' मॉर्गन मैकस्वीनी ने कहा कि वह 2024 में राजदूत के तौर पर मैंडेलसन (72) को नियुक्त करने के लिए स्टार्मर को सलाह देने की जिम्मेदारी लेते हैं। मैकस्वीनी ने एक बयान में कहा, ''पीटर मैंडेलसन को नियुक्त करने का निर्णय गलत था। उन्होंने हमारी पार्टी, हमारे देश और राजनीति में जनता के भरोसे को ठेस पहुंचाई है।''

सूर्यास्त	सूर्योदय
09-02-2026	10-02-2026
6:23 बजे	6:43 बजे

BSE	NSE
83,580.40	25,693.70
(+266.47)	(+50.90)

सोना	चांदी
16,125 रु.	264,932 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है, कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं

भारत-मलेशिया संबंधों को और मजबूत करेंगे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ वार्ता के दौरान मलेशिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया।

कुआलालंपुर/भाषा। भारत और मलेशिया ने रविवार को व्यापार एवं निवेश, रक्षा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ व्यापक वार्ता के बाद मोदी ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा: ''आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं।''

दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गहन सहभागिता के लिए एक रूपरेखा समझौते सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कुल 11 समझौतों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।

मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे। मोदी और इब्राहिम दोनों ने व्यापार निस्तारण के लिए स्थानीय मुद्राओं – भारतीय रुपया और मलेशियाई रिंगिट के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

मोदी ने भारत-मलेशिया संबंधों को ''विशेष'' बताते हुए कहा, ''हम रणनीतिक विश्वास के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेंगे।'' उन्होंने मीडिया में जारी अपने बयान में कहा, ''हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं।'' मोदी ने मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के भारत के निर्णय की भी घोषणा की। अपने संबोधन में इब्राहिम ने भारत की आर्थिक वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि अगर उनका देश भारत के साथ सहयोग के और अधिक तरीके एवं अवसर तलाश सके तो उसे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''यह (भारत की आर्थिक वृद्धि) अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और व्यापार के क्षेत्र में एक शानदार उन्नति है।'' उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं का उपयोग करने के निर्णय को ''उल्लेखनीय'' बताया।

भारत को 'विनाशकारी' कम्युनिस्ट विचारधारा से छुटकारा पाना होगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि देश को जल्द से जल्द ''विनाशकारी'' कम्युनिस्ट विचारधारा से छुटकारा पाने की जरूरत है और उन्होंने नक्सलियों से हथियार डालने की अपील की। शाह ने कहा कि सरकार आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का ''लाल कालीन'' बिछाकर स्वागत करेगी।

नवा रायपुर में 'ऑर्गनाइजर वीकली' के 'छत्तीसगढ़25 शिफ्टिंग द लेंस' सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि माओवादी समस्या को विकास की कमी से नहीं जोड़ा जा सकता और न ही इसे केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा माना जा सकता है। उन्होंने कहा, ''वामपंथी उग्रवाद की समस्या एक विचारधारा से प्रेरित चुनौती है।''

शाह ने कहा कि भारत की जनता को इस विचारधारा की सच्चाई को समझना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जहां कहीं भी कम्युनिस्ट सत्ता में रहे, वे विकास नहीं ला सके। कम्युनिस्ट विचारधारा विनाश की विचारधारा है और देश को इससे तुरंत छुटकारा पाना आवश्यक है।''

शाह ने कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति में अब कम्युनिस्ट विचारधारा का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा, ''त्रिपुरा और बंगाल में अब इसका अस्तित्व नहीं है। केरल में यह कुछ हद तक मौजूद है; हालांकि, तिरुवनंतपुरम से लोगों ने बदलाव की शुरुआत कर दी है।'' गृह मंत्री ने माओवादियों से हथियार डालने की अपील करते हुए कहा कि सरकार एक भी गोली नहीं चलाना चाहती और वह आत्मसमर्पण करने वालों का ''लाल कालीन'' बिछाकर स्वागत करेगी।

वामपंथी उग्रवाद पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि माओवादी समस्या का सही आकलन करने में विफलता भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा।

भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने के लिए

मोदी को इस्तीफा देना चाहिए : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करके भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाया है और किसानों की आजीविका को कमजोर किया है। उन्होंने मोदी से इस्तीफा देने की मांग की। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, एक ऐसा प्रधानमंत्री जो देश पर दबाव डालता है, किसानों की आजीविका को कमजोर करता है और भारत की गरिमा को नुकसान पहुंचाता है, वह पद पर नहीं रह सकता। भारत की संप्रभुता और आत्म-सम्मान को हुए नुकसान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।''

सिद्दरामय्या के अनुसार, मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित अंतरिम व्यापार समझौता बराबर और निष्पक्ष बातचीत से नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अमेरिका द्वारा भारत के व्यापार और ऊर्जा विकल्पों पर शुल्क संबंधी धमकियों, दबावकारी रणनीतियों और सार्वजनिक चेतावनियों के बाद किया गया और ऐसे दबाव के सामने झुकना कूटनीति नहीं बल्कि ''समर्पण'' है। उन्होंने आरोप लगाया, ''इन शर्तों को स्वीकार करके नरेन्द्र मोदी ने भारत की स्वतंत्रता को कमजोर और देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को कमतर किया है।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि यह ढांचा गहराई से असमान है क्योंकि अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर लगभग 18 प्रतिशत शुल्क जारी रखेगा, जबकि भारत पर अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क शून्य करने और अन्य बाधाओं को हटाने का दबाव डाला जा रहा है।

अगर संघ कहेगा तो पद छोड़ने के लिए तैयार हूं : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि अगर संघ उन्हें पद से हटने के लिए कहेगा तो वह इस्तीफा दे देंगे और इस संगठन ने ही उनसे उनकी उम्र के बावजूद काम जारी रखने के लिए कहा है।

भागवत ने यह भी कहा कि संघ का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति हमेशा एक हिंदू ही होगा, चाहे उसकी जाति कुछ भी हो और शीर्ष पद सबसे योग्य उम्मीदवार को ही दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''आरएसएस प्रमुख के पद के लिए कोई चुनाव नहीं होता। क्षेत्रीय और मंडल प्रमुख ही संघ प्रमुख की नियुक्ति करते हैं। आम तौर पर कहा जाता है कि 75 वर्ष की आयु के बाद किसी को कोई पद धारण किए बिना काम करना चाहिए।'' वह आरएसएस शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के साथ एक संवादात्मक सत्र के दौरान प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैंने 75 वर्ष पूरे कर लिए और मैंने आरएसएस को इसकी सूचना भी दे दी थी, लेकिन संगठन ने मुझसे काम जारी रखने को कहा। जब भी आरएसएस मुझसे पद छोड़ने को कहेगा, मैं पद छोड़ दूंगा लेकिन काम से सेवानिवृत्ति कभी नहीं होगी।''

भागवत ने कहा कि आरएसएस में समुदाय आधारित प्रतिनिधित्व नहीं है और स्वयंसेवक अपने काम के आधार पर पदोन्नति पाते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस प्रमुख को हिंदू होना चाहिए चाहे उसकी जाति कोई भी हो। उन्होंने बताया कि जब आरएसएस की स्थापना हुई थी, तब इसका काम ब्राह्मण-बहुल समुदाय में शुरू हुआ था और इसलिए इसके अधिकांश संस्थापक ब्राह्मण थे, जिसके कारण उस समय संगठन को ब्राह्मण संगठन के रूप में जाना जाता था। उन्होंने कहा कि लोग हमेशा ऐसे संगठन की तलाश करते हैं जिसमें उनके समुदाय के प्रतिनिधि हों। भागवत ने कहा कि वह इस बारे में कोई निश्चित जवाब नहीं दे सकते कि संघ प्रमुख अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति पृष्ठभूमि से होगा या नहीं क्योंकि यह निर्णय संघ प्रमुख की नियुक्ति करने वालों पर निर्भर करता है।

'जेन जेड' के लिए राहुल गांधी का संदेश

लचीला रुख अपनाएं और दृढ़ संकल्पित रहें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि 'जेन जेड' के लिए उनका संदेश सरल है – जीवन में कुछ भी सीधा-सपाट नहीं होता, इसलिए लचीला रुख अपनाएं और दृढ़ संकल्पित रहें।

राहुल गांधी ने यूट्यूब पर जारी एक पोस्ट में यह टिप्पणी की। पोस्ट में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रवासी छात्रों के साथ उनकी हालिया बातचीत का वीडियो भी साझा किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, वास्तविक सवाल। ईमानदार जवाब। बिना किसी लाग-लपेट के। यूएई के प्रवासी छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, हमने पहचान, उद्देश्य और आज के युवाओं के सामने पेश आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की।

गांधी ने कहा कि चर्चा में 'जेन जेड' के कुछ सबसे अहम मुद्दों पर बात की गई, जैसे कि पेशे और जुनून के बीच संतुलन बनाना, सोचने, व्यक्त करने एवं खोजने की आजादी, चिंता से निपटना और पूर्वाग्रहों पर काबू पाना। उन्होंने कहा, कई छात्रों ने बताया कि कैसे वे अक्सर इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनमें आत्मविश्वास की कमी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विपक्ष के आरोप निराधार : शिवराज

■ विपक्षी दल बेवजह का 'हो-हल्ला' मचा रहे हैं कि इस समझौते से खेती बर्बाद हो जाएगी और किसानों का सत्यानाश हो जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए रविवार को कहा कि इस समझौते में कृषि क्षेत्र की संपूर्ण सुरक्षा की गई है और किसान हित सर्वोपरि रखा गया है।

चौहान ने राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं किया गया है जिससे भारतीय किसानों को जरा भी नुकसान हो। उन्होंने कहा कि सभी संवेदनशील वस्तुओं को समझौते से पूरी तरह बाहर रखा गया है।

कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया था कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं हुआ बल्कि अमेरिका का लाभ हुआ है क्योंकि यह समझौता दबाव में किया गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समर्पण कर दिया।

चौहान ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि विपक्षी दल बेवजह का 'हो-हल्ला' मचा रहे हैं कि इस समझौते से खेती बर्बाद हो जाएगी और किसानों का सत्यानाश हो जाएगा। उन्होंने कहा, आप गहराई में जाकर देखें, हमारे वे सारे कृषि उत्पाद, जो हमारे किसानों की मूल ताकत है, उन सबको इस समझौते से बाहर रखा गया है। राष्ट्रहित सर्वोपरि, किसान हित सर्वोपरि।

कृषि मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मैं देश नहीं झुकने दूंगा और किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दूंगा। आप इस व्यापाक समझौते में देखेंगे कि ये दोनों चीजों का पूरा ध्यान रखा गया है। चौहान ने पलटवार करते हुए कहा कि बरसों तक कांग्रेस ने इस देश पर शासन किया लेकिन उसने ना तो किसानों को किसी वैश्विक बाजार से जोड़ा और ना भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता व ऊंचाइयां प्रदान की। उन्होंने कहा, इसके विपरीत भारतीय अर्थव्यवस्था आजादी के समय दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। उसको 11वें स्थान पर पहुंचा दिया था। अब हम तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर तेजी से अग्रसर हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और यह एक बहुत बड़ा निर्णय है।

सूरजकुंड झूला हादसा:

झूला संचालक और उसका एक कर्मचारी गिरफ्तार

फरीदाबाद/भाषा। हरियाणा में फरीदाबाद के सूरजकुंड मेला मैदान में एक विशाल झूले 'सुनामी' के टूटकर गिरने की घटना के एक दिन बाद रविवार को पुलिस ने झूला संचालक और उसके एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार शाम को हुए इस हादसे में ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस निरीक्षक की मौत हो गई थी और 12 अन्य घायल हो गए थे। यह हादसा सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले के दौरान हुआ। घटना के समय लगभग 19 लोग झूले पर सवार थे जो अचानक हवा में झुक गया और फिर टूटकर जमीन पर गिर पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1989 में हरियाणा सशस्त्र पुलिस में भर्ती हुए निरीक्षक जगदीश प्रसाद 36 वर्षों की सेवा पूरी कर मार्च में सेवानिवृत्त होने वाले थे और उन्होंने झूले में फंसे लोगों को बचाने का साहसिक प्रयास किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद रविवार को शव परिवार को सौंप दिया गया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा

जनता की अदालत गौरव की 'भारत विरोधी' गतिविधियों पर फैसला करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई को भारत विरोधी नेटवर्क का 'प्रमुख सूत्रधार' और उनकी पत्नी को पाकिस्तानी 'एजेंट' करार देते हुए कहा कि विपक्षी दल के नेता की देश विरोधी गतिविधियों पर फैसला करने का अधिकार उन्होंने 'जनता की अदालत' पर छोड़ दिया है।

इससे पहले दिन में, शर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि गोगोई, उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न और पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बीच 'गहरा संबंध' था, और खुफिया ब्यूरो से जानकारी लेकर गुप्त रूप से पड़ोसी देश को दी जाती थी। मुख्यमंत्री ने रविवार शाम को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट एक पोस्ट में 'सत्यमेव जयते' लिखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को टैग किया। उन्होंने कहा, ''हालांकि अब एक केंद्रीय एजेंसी इस मामले की गहराई से जांच करेगी, मैं यह फैसला जनता की अदालत पर छोड़ता हूं कि असम में कांग्रेस पार्टी के एक नेता ने पाकिस्तानी सरकार के साथ साठगांठ कर भारत के हितों के खिलाफ किये गए कार्य पर क्या करती है।''

असम मंत्रिमंडल ने शनिवार को पुलिस द्वारा तैयार की गई जांच रिपोर्ट को केंद्र को भेजने का फैसला किया, जिसमें कहा गया है कि राज्य एजेंसी के पास 'साजिश' की आगे जांच करने का अधिकार नहीं है।

शर्मा ने पोस्ट में कहा, ''आज पाकिस्तान और उसके छद्म किरदारों द्वारा भारत को अस्थिर करने के वैश्विक षड्यंत्र का पर्दाफाश करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मैंने भारत की जनता के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख द्वारा रची गई गहरी साजिश के तहत एलिजाबेथ कोलबर्न नामक एक एजेंट को भारत के विकास का अध्ययन करने और पर्यावरण सक्रियता के माध्यम से इसे पटरी से उतारने के तरीके खोजने के लिए भेजा गया था।'' उन्होंने दावा किया कि संदिग्ध रोजगार अनुबंधों, गुप्त वित्तपोषण पैटर्न, संदिग्ध यात्रा गतिविधियों और संवेदनशील सूचनाओं के माध्यम से, इस तंत्र ने ''भारत विरोधी गतिविधियों का जाल'' बुना। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि असम से कांग्रेस सांसद, जो एक पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे भी हैं, इस पूरे नेटवर्क में एक प्रमुख किरदार थे और उन्होंने संसद में संवेदनशील मामलों में जवाब प्राप्त कर, गुप्त पाकिस्तानी यात्राएं करके और युवा आदान-प्रदान के बहाने भारत में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ साठगांठ कर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन गतिविधियों में सहयाता दी।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घाटी के दुश्मन

दहशतगर्दों के चक्कर में,
है परेशान सारा सूबा।
अलगाववादियों का रुख ही,
घाटी वालों को ले डूबा।
नेताओं की खुदगर्जी से,
कश्मीरी जनमन भी ऊबा,
खामोश रहो अब उमर मियां,
ना मुफ्त बको तुम महबूबा।।

प्रधानमंत्री का नीतिगत स्थिरता का सिद्धांत बजट का आधार, विकसित भारत पर जोर : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नीतियों में बार–बार बदलाव से बचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर ने आम बजट 2026–27 को आकार दिया है। यह बजट नीतिगत स्थिरता पर आधारित है और इसके केंद्र में 'विकसित भारत' के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को रखा गया है।

एक नए पांच वर्षीय वित्तीय चक्र और 21वीं सदी की दूसरी तिहाई के पहले बजट के रूप में तैयार यह दस्तावेज राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए पूंजीगत व्यय, बुनियादी ढांचे के विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता देता है।

सीतारमण ने पीटीआई–भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''लोग स्थिरता चाहते हैं, और इसीलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना है। उस वोट में स्थिरता निहित है, और यह बात पिछले बजटों के माध्यम से नीतियों के क्रियान्वयन के तरीके में भी दिखाई देती है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की लगातार तीसरी चुनावी जीत राजनीतिक और नीतिगत स्थिरता का स्पष्ट सार्वजनिक समर्थन है, जिसे सरकार भारत की दीर्घकालिक विकास रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिशा में अचानक

बदलाव से बचने की जरूरत पर लगातार जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री हमेशा नीतियों में बार–बार बदलाव से बचने की बात करते हैं। एक बार जब नीतिगत दिशा की घोषणा हो जाती है, तो सरकार उसके क्रियान्वयन में स्थिर रहती है।''सीतारमण ने कहा कि बजट को केवल एक साल की वित्तीय कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक लंबी योजना के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम 2047 और उसके बाद 2050 तक भी देख रहे हैं। ध्यान स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित भारत के निर्माण पर है और अगले 25 वर्षों में भारत को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना है।''

वित्त मंत्री के अनुसार यह दीर्घकालिक नजरिया आने वाले दशकों में निरंतर विकास, संस्थागत मजबूती और आर्थिक लचीलेपन पर जोर देने के साथ सभी क्षेत्रों में नीति–निर्माण का मार्गदर्शन करेगा।

बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सार्वजनिक व्यय के बारे में सीतारमण ने कहा कि पूंजीगत व्यय इस सरकार की सफलता की कहानियों में से एक है। उन्होंने बताया कि विभिन्न सरकारी विभागों के लिए बजटीय प्रावधानों ने कोविड महामारी के बाद बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण का उपयोग करने में राज्यों की भूमिका भी उतनी ही प्रभावशाली रही है, और कई राज्यों ने अपनी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा कर अधिक धन का उपयोग करने की अपनी क्षमता साबित की है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भाजपा प्रमुख

प्रधानमंत्री ने किसानों, श्रमिकों के हितों की रक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि किसानों और श्रमिकों के हित सुरक्षित रखने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने ''कूटनीतिक एवं धैर्यपूर्वक'' अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया।

नवीन ने यह बात रामलीला मैदान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके कैबिनेट मंत्रियों के साथ 500 ई–बसों को हरी झंडी दिखाने के दौरान कही।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने ''कूटनीतिक और धैर्यपूर्वक'' अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया। नवीन ने कहा, ''मैं इस समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देता हूं। उन्होंने किसानों, श्रमिकों के हितों की रक्षा की है और देश का आत्म–सम्मान बढ़ाया है।'' उन्होंने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि 500 ई–बसें दिल्ली के लोगों के लिए एक उपहार है, जिन्होंने पिछले साल आठ फरवरी को विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी जीत दिलाई थी। दिल्ली विधानसभा चुनावों के आठ फरवरी, 2025 को घोषित परिणामों में भाजपा ने 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया।

नवीन ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन जैसी विभिन्न पहल की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार ने पिछले एक साल में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता, जवाबदेह निर्णय लेने और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के साथ काम किया है। नवीन ने कहा कि दिल्ली में पिछली सरकार ''बहाने'' बनाती थी, जबकि भाजपा नीत सरकार अब प्रदर्शन और लोगों के लिए काम करने में विश्वास करती है।

अमेरिकी डीडीजीएस पर कोटा आधारित शुल्क रियायत से पशुपालन, पोल्ट्री क्षेत्र को मिलेगी मजबूती : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के तहत 'सूखा अनाज आधारित पशु आहार' (डीडीजीएस) पर कोटा आधारित शुल्क रियायत देने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि उच्च पोषण मूल्य के कारण देश का पशुपालन और पोल्ट्री उद्योग इस उत्पाद की मांग कर रहा था। एक संयुक्त बयान के अनुसार, भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं, जिस पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

गोयल ने 'पीटीआई–वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, हमने उन्हें डीडीजीएस में कोटा दिया है। यह उच्च पोषण वाला पशु आहार है। वास्तव में पशुपालन क्षेत्र इसकी मांग कर रहा था और पोल्ट्री उद्योग को भी इसकी काफी आवश्यकता है। उच्च प्रोटीन युक्त होने के कारण यह मुर्गियों के स्वास्थ्य के लिए बहुत बेहतर है।

शिक्षा भारत के विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है : मंत्री

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को कहा कि विकसित भारत के मार्ग में शिक्षा एक महत्वपूर्ण कड़ी है और राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर परिवर्तनकारी प्रयास कर रही है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सिंह ने सेक्टर 34 स्थित डीपीजी कॉलेज में आयोजित वार्षिक उत्सव सारंग में यह बात कही। कार्यक्रम में विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष गोपीचंद गहलोत भी उपस्थित थे। सिंह ने कहा कि जब हरियाणा का गठन हुआ था, तब गुरुग्राम और दक्षिणी हरियाणा विकास के मामले में पिछड़े माने जाते थे। समय के साथ, औद्योगीकरण और रियल एस्टेट निवेश ने गुरुग्राम को वैश्विक पहचान दिलाई है। शिक्षा के क्षेत्र में हालांकि, और सुधार करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए, भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 2014 से कई निर्णायक कदम उठाए हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक बुनियादी ढांचे और उद्योग–अकादमिक समन्वय के माध्यम से, सरकार का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है ताकि विकसित हरियाणा के साथ विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सके।

सरकारी बैंकों का मुनाफा 2025-26 में दो लाख करोड़ रुपए को पार कर जाएगा : नागराजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की बेहतर स्थिति से उत्साहित वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने भरोसा जताया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में इन बैंकों का संयुक्त मुनाफा दो लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर जाना चाहिए।

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के अच्छी स्थिति में होने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस साल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ऋण वृद्धि 12 प्रतिशत और जमा वृद्धि 10 प्रतिशत है, जो काफी उत्साहजनक है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, ''बैंक अर्थव्यवस्था की मजबूती के संकेत हैं। इसलिए, वे लचीले हैं। हमारे पास नियामक आरबीआई के तहत बहुत ही विवेकपूर्ण प्रबंधन प्रणाली मौजूद है। इसलिए हम अपने बैंकिंग क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले बाहरी कारकों के बारे में बहुत चिंतित नहीं हैं।'' सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लाभप्रदता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''इस साल (चालू वित्त वर्ष) हम दो लाख करोड़ रुपए को पार कर जाएंगे। हमने पहली छमाही में ही लगभग एक लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को छू लिया है... मुझे लगता है कि हम दो लाख करोड़ रुपए को पार कर जाएंगे।'' सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का संयुक्त मुनाफा तीन साल में दोगुना हो जाएगा। संपत्ति की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार, ऋण वृद्धि, स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात और संपत्तियों पर बढ़ते प्रतिफल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2022–23 में एक लाख करोड़ रुपए को पार कर 1.05 लाख करोड़ रुपए हो गया था। वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रहा है।

आयकर विभाग ने नए आयकर कानून के मसौदा नियमों, प्रपत्रों पर हितधारकों से सुझाव मांगे

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने रविवार को कहा कि उसने एक अप्रैल से प्रभावी होने वाले नए आयकर कानून, 2025 के तहत कर नियमों और प्रपत्रों के मसौदे पर हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। विभाग ने एक बयान में जानकारी दी कि व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'प्रस्तावित आयकर नियम, 2026' और संबंधित फॉर्म को अंतिम अधिसूचना से पहले आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने परामर्श प्रक्रिया के तहत हितधारकों से चार श्रेणियों में सुझाव मांगे हैं। इनमें भाषा का सरलीकरण, मुकदमों में कमी, अनुपालन बोझ को कम करना और अप्रासंगिक या पुराने हो चुके नियमों व प्रपत्रों की पहचान करना शामिल है। विभाग ने कहा, हितधारकों को इन मसौदों का अध्ययन कर सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अंतिम अधिसूचना से पूर्व इन सभी सुझावों को संकलित कर उन पर समीक्षा के लिए विचार किया जाएगा।

राजमंड्री हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल का उद्घाटन जल्द होगा : राम मोहन नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजमंड्री/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने कहा है कि पूर्वी गोदावरी जिले के राजमंड्री हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा और निर्माण कार्य तेजी से जारी है। नायडू ने कहा कि यात्रियों को अधिक आराम और सुविधा प्रदान करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस इस नए टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और 31 मार्च तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए।

नायडू ने शनिवार देर रात एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, राजमंड्री हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल का काम लगभग पूरा होने वाला है और इसका उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने टर्मिनल के कार्यों का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया और भारतीय

विमानपत्तन प्राधिकरण व परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी के अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा की। विज्ञप्ति में बताया गया कि आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित यह टर्मिनल क्षेत्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की क्षमता बढ़ाने और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हवाई अड्डे को गोदावरी क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में विकसित किया जा रहा है और इससे क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि उन्नत टर्मिनल पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

पंजाब के अमृतसर से 25 किलोग्राम हेरोइन बरामद की, दो लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के अमृतसर में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 किलोग्राम हेरोइन के साथ ही हथियार व कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां पंजाब पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल, अमृतसर (बीएसएफ) के साथ एक संयुक्त अभियान में कीं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने एक पोस्ट में कहा, सीमा पार मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने बीएसएफ के साथ संयुक्त अभियान में 25 किलोग्राम हेरोइन, दो पिस्तौल और 60 कारतूस की खेप बरामद की है। यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान घोघा इलाके के दो निवासियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली को 500 नई इलेक्ट्रिक बस मिलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने रविवार को 500 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई, जिससे दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े की कुल संख्या 4,000 हो गई है। इस मौके पर गुप्ता ने कहा, ''यह कदम न केवल शहर में परिवहन और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगा।''

इस कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डीटीसी की योजना 2028 तक अपने कुल बस बेड़े को बढ़ाकर 14,000 करने की है। उन्होंने कहा, ''ये इलेक्ट्रिक बसें शहर की वायु गुणवत्ता और परिवहन आवश्यकताओं को बेहतर बनाने में मदद करेंगी। ये वातानुकूलित बसें हैं, जिनमें पैनिक बटन और कई अन्य सुविधाएं मौजूद हैं।'' परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि दिल्ली और पानीपत के बीच तीन अंतरराज्यीय बस सेवाएं भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री गुपता ने कहा, ''दिल्ली सरकार परिवहन क्षेत्र पर लगातार काम कर रही है। ऐसा ही एक कदम है निवासियों को दूर–दराज तक कनेक्टिविटी प्रदान करना। हमने हाल ही में इस संबंध में 'भारत टैक्सी' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और जल्द ही एक नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति और एक ई–रिक्शा नीति भी लागू की जाएगी।''

जिंसों की बढ़ती लागत के कारण आगामी हफ्तों में कीमतें बढ़ाएगी टाटा मोटर्स : एमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) के प्रबंध निदेशक और सीईओ शैलेश चंद्रा के अनुसार, जिंसों की बढ़ती लागत के दबाव के कारण कंपनी आगामी हफ्तों में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी। दूसरी ओर मारुति सुजुकी इंडिया मूल्य वृद्धि के लिए स्थिति की समीक्षा कर रही है, वहीं हुंदै मोटर इंडिया ने जनवरी में मुख्य रूप से अपने वेन्यू मॉडल पर कीमतें पहले ही बढ़ा दी हैं।

चंद्रा ने तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान कहा, ''हम पिछले लगभग एक साल से जिंसों की लागत का दबाव झेल रहे हैं। हमें अभी भी कीमती धातुओं, तांबे आदि की कीमतों में दबाव दिख रहा है। कुल मिलाकर, अगर आप जिंसों की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव देखें, तो यह हमारे राजस्व का लगभग दो प्रतिशत से अधिक रहा है।''

वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या कंपनी बढ़ती लागत के कारण अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही है। कीमतों में वृद्धि की बात दोहराते हुए चंद्रा ने कहा, ''हम आने वाले हफ्तों में इसकी घोषणा कर पाएंगे।'' हालांकि, उन्होंने संभावित मूल्य वृद्धि की मात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

'डिजिटल अरेस्ट' मामले में दो लोग गिरफ्तार, 100 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी का खुलासा : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने कम से कम 190 साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों और 100 करोड़ रुपए से अधिक से जुड़े 'डिजिटल अरेस्ट' मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

उसने बताया कि आरोपियों की पहचान अनीश सिंह और मणि सिंह के रूप में हुई है। दोनों को एक महिला की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया, जिसमें उसने कहा कि उसे लगभग दो महीने तक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और फर्जी साइबर अपराध जांच के बहाने उससे 40 लाख रुपए हस्तांतरित करवा लिए गए।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा ''पीड़िता को पिछले साल 15 अक्टूबर से 12 दिसंबर के बीच 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार बनाया गया था। इस दौरान, खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताकर धोखेबाजों द्वारा उसे गिरफ्तारी, कानूनी कार्रवाई और सामाजिक बदनामी की धमकी दी गई थी।'' शिकायतकर्ता, जो एक गृहिणी हैं, को शुरू में मुंबई अपराध शाखा के आईपीएस अधिकारी होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने फोन किया, जिसने महिला पर आधार कार्ड का उपयोग करके आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया।

अधिकारी ने बताया कि बाद में पीड़िता की बात एक महिला से कराई गई, जिसने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और वीडियो और ऑडियो कॉल का इस्तेमाल करते हुए फर्जी प्राथमिकी और गिरफ्तारी वारंट दिखाए।

मध्य प्रदेश: गेहूं चोरी के 45 साल पुराने मामले में आरोपी गिरफ्तार

खरगोन (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के एक बुजुर्ग व्यक्ति को 45 साल पहले दर्ज गेहूं चोरी के एक मामले गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मंडलेश्वर की अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) श्वेता शुक्ला ने रविवार को बताया कि सलीम और छह अन्य ने 1980 में बालसमुंद के काकड़ इलाके में खेतों से गेहूं चुराया था। उन्होंने कहा कि उस समय सलीम 20 साल का था। अधिकारी ने बताया कि चोरी किए गए गेहूं की कीमत 100 रुपए थी और उस समय एक क्विंटल (100 किलोग्राम) अच्छी गुणवत्ता वाले गेहूं की कीमत 1.15 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

वांछित अपराधियों के खिलाफ 10 फरवरी से शुरू होगा 'ऑपरेशन प्रहार-2' : पंजाब डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को कहा कि पुलिस सोमवार से वांछित अपराधियों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन प्रहार–2' शुरू करेगी।

यादव ने कहा कि 72 घंटे का अभियान वांछित अपराधियों पर केंद्रित है और यह सोमवार से शुरू होगा। डीजीपी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अभियान का उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा कर पंजाब को सुरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत 12,000 अधिकारी तैनात किए जाएंगे, जो 2,000 टीम का हिस्सा होंगे। यादव ने कहा, ''हमारा उद्देश्य

पंजाब को अपराध और गैंगस्टर मुक्त बनाना है। अपराध और संगठित अपराध को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है।''

इससे पहले 20 जनवरी को, पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के पूरे सहायक तंत्र को खत्म करने के लिए एक राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' शुरू किया था। पिछले महीने के अभियान के नतीजे पर यादव ने कहा कि अब तक 5,290 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और 2,972 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया है।

'युद्ध नशियां विरुद्ध' (मादक पदार्थ के खिलाफ युद्ध) के तहत अभियान पर, डीजीपी ने कहा कि मार्च 2025 से अब तक 34,000 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, और 45,000 गिरफ्तारियां की गई हैं, जिनमें 3,000 बड़े आपूर्तिकर्ता और 65 हवाला ऑपरेटर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 2,150 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव यादव ने कहा कि पुलिस को अभियान को लेकर तैयारियों के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी अपराध स्थल का दौरा करेंगे और क्षेत्र में रहेंगे तथा जांच, गश्त की निगरानी करेंगे।

नीति हमेशा कमजोर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के पक्ष में नहीं होनी चाहिए : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि देश के कमजोर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को केंद्र के कर राजस्व बंटवारे में अधिक हिस्सा मिल रहा है, जिसका नुकसान आंध्र प्रदेश जैसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को उठाना पड़ रहा है।

हालांकि, नायडू ने यह भी माना कि पिछड़े राज्यों का धीरे–धीरे बेहतर प्रदर्शन की ओर बढ़ना एक सकारात्मक संकेत है। नायडू ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार में कहा कि देश की समृद्धि तभी संभव है जब उसके सभी क्षेत्र आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि राज्य एक–दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी हैं।

नायडू ने कहा, केंद्र सरकार जानबूझकर कोई अन्याय नहीं करना चाहती। पिछड़ेपन, जनसंख्या जैसे कुछ मापदंड हैं। दक्षिण भारत ने जनसंख्या नियंत्रण में प्रगति की है। उन्होंने कहा, आर्थिक सुधारों के कारण दक्षिण भारत ने प्रौद्योगिकी और वृद्धि दर में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। दक्षिण भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। इसी कारण विकेंद्रीकरण एक समस्या है। जनसंख्या आधारित गरीबी विकेंद्रीकरण के मानदंडों में से एक है। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में स्वाभाविक रूप से असंतोष पैदा होगा। हमारी नीतियां हमेशा कमजोर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के पक्ष में नहीं होनी चाहिए। कुछ समय के लिए संरक्षण देना ठीक है, लेकिन अंततः सभी राज्यों को प्रदर्शन करना होगा।

नायडू ने कहा, मुझे विश्वास है कि अब सभी राज्य आगे बढ़ रहे हैं और यह संबंधित राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे बेहतर काम करें। उन्होंने कहा कि जनसंख्या को लेकर मौजूदा सोच अब जनसंख्या नियंत्रण से बदलकर जनसंख्या प्रबंधन की ओर बढ़ गई है।

भारत ने फलों, सब्जियों और फूलों में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य रखा : शिवराजसिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि भारत ने फलों, सब्जियों और फूलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है। चौहान ने कहा कि इन क्षेत्रों में आयात अब आवश्यक नहीं होगा। बेंगलूरु में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)- भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर) में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि सरकार का ध्यान उच्च मांग वाली फसलों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने पर है कि उनका घरेलू उत्पादन किसानों के लिए लाभकारी हो।

सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य सरल है। हम फलों, फूलों और सब्जियों का आयात नहीं करेंगे। हमें इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनना होगा। ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण के केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति कर चुका है। मंत्री ने वर्तमान उत्पादन स्तर को ऐतिहासिक बताया।

पहले आयात पर निर्भर फसलों का जिक्र करते हुए चौहान ने कहा, हम एवोकाडो का आयात करते थे, अब हमने उनका उत्पादन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसी दृष्टिकोण को अन्य उभरती फसलों तक फैलाना आवश्यक है। चौहान ने कहा, हमें ड्रैगन फ्रूट में भी आत्मनिर्भर बनना होगा। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह उन फलों की पहचान करें जिनका घरेलू उत्पादन जरूरी है और किसानों में उनकी खेती को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा, मैंने अधिकारियों को कहा है कि वे उन फलों की पहचान करें जिन्हें भारत में उगाना आवश्यक है। हम किसानों को उनकी खेती के लिए प्रोत्साहित करेंगे। चौहान ने यह भी कहा कि लाभप्रदता ही इस पहल का मुख्य आधार होगी। किसान केवल तभी उत्पादन करेंगे जब यह लाभकारी होगा। सब्जियों के मामले में उन्होंने कहा कि भारत को आयात की कोई बाध्यता नहीं है। सब्जियों के लिए आयात की आवश्यकता नहीं है।

गांधी स्मारक निधि ने कांग्रेस, भाजपा के बीच जंग में राष्ट्रपिता के चित्र के दुरुपयोग की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक गांधी स्मारक निधि (केजीएसएन) ने कर्नाटक में हाल ही में प्रकाशित एक विज्ञापन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र के कथित दुरुपयोग की निंदा की है। संस्था ने इसे राष्ट्रपिता के मूल आदर्शों का अपमान और गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय करार दिया है। तीन फरवरी को कर्नाटक के प्रमुख कन्नड़ और अंग्रेजी अखबारों के पहले पन्ने पर प्रकाशित कांग्रेस सरकार के विज्ञापन में महात्मा गांधी को सफेद कमीज और खाकी पैंट पहने 'संघ-अप्पा' को मनरेगा को खत्म करने के लिए फटकार लगाते हुए दिखाया गया था।

यह विज्ञापन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) लाने के लिए केंद्र सरकार पर कटाक्ष करता था।

जवाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सात फरवरी को पूरे पन्ने का विज्ञापन छपवाया, जिसमें महात्मा गांधी को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को मारने के लिए अपनी छड़ी उठाते दिखाया गया था।

इस विज्ञापन में राष्ट्रपिता को तीनों नेताओं से यह कहते हुए दिखाया गया था, तुम तीन 'नुंगप्पा' (सब कुछ गंवा देने वाला) के लिए, जो महात्मा गांधी को अपनी संपत्ति की तरह इस्तेमाल कर रहे हो। वहीं, सिद्धरमैया, राहुल और खरगे को राष्ट्रपिता से उन्हें न मारने की गुहार लगाते दिखाया गया था। केजीएसएन के अध्यक्ष वुडे पी कृष्णा और मानद सचिव एमसी नरेंद्र ने एक बयान जारी कर दोनों विज्ञापनों में महात्मा गांधी के चित्रण पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह अपमानजनक और राष्ट्रपिता के दर्शन के विपरीत है।

बयान में चेतावनी दी गई है कि इस तरह का चित्रण युवा पीढ़ी को गुमराह कर सकता है और महात्मा गांधी की विरासत से जुड़ी गरिमा को नष्ट कर सकता है।

इसमें कहा गया है, कर्नाटक के प्रमुख अखबारों में हाल ही में प्रकाशित विज्ञापन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को इस तरह से चित्रित किया गया है कि उनके दर्शन को समझने वाला कोई भी व्यक्ति स्तब्ध रह जाएगा। राष्ट्रपिता को जिस तरह से दर्शाया गया है, वह पूरे देश के लिए शर्म की बात है और यह उनके मूल आदर्शों जैसे अहिंसा, सत्याग्रह एवं सर्वोदय के बिल्कुल विपरीत है।

बयान के मुताबिक, यह चित्रण महात्मा गांधी के मूल्यों को नष्ट करने के समान है। इसमें राष्ट्रपिता के चित्र का राजनीतिक सुविधा के लिए इस्तेमाल किए जाने की प्रवृत्ति को हाल के समय में एक चिंताजनक घटनाक्रम बताया गया है।

बयान में कहा गया है, ऐसे समय में जब दुनियाभर में केवल महात्मा गांधी को 'महात्मा' की उपाधि दी जाती है, यह चिंताजनक है कि हाल के दिनों में मीडिया के कुछ वर्ग गांधीजी का अपमानजनक तरीके से और राजनीतिक सुविधा के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि इस तरह के दुरुपयोग से युवा पीढ़ी के बीच गलत संदेश जाने का खतरा है। केजीएसएन ने मीडिया से जिम्मेदाराना रुख अपनाने और अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन करने का आग्रह किया। संस्था ने संबंधित अखबारों के संपादकों से कहा कि वे जनहित में बयान प्रकाशित करें।

केरल में वन विभाग ने सात सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया; बाघ की खाल, पंजे और दांत जब्त

कन्नूर (केरल)/भाषा। कन्नूर के काथिरूर में वन विभाग ने सात सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर उनके कब्जे से बाघ की खाल, पंजे और दांत जब्त किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रारंभिक पूछताछ के बाद वन अधिकारियों को संदेह है कि बाघ का शिकार कर्नाटक में किया गया था, क्योंकि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति कथित तौर पर वहां सक्रिय शिकारियों से जुड़े हुए हैं।

वन अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार रात को विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली थी कि एक गिरोह बाघ की खाल बेचने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक अभियान शुरू किया और काथिरूर के एक स्कूल के पास तीन व्यक्तियों का पता लगाया। सबसे पहले गिरफ्तार किए गए लोगों में एरुवट्टी निवासी अश्विन और चेरुवंचेरी निवासी संधेश व बालन थे।

कोटियूर के वन रेंज अधिकारी नितिनराज टी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, इन व्यक्तियों के पास से हमने बाघ की खाल, पंजे और दांत बरामद किए हैं।

कर्नाटक में निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सहित दोनों लोग सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुर। कर्नाटक के विजयपुर जिले में रविवार दोपहर एक छोटा निजी विमान एक खुले मैदान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, विमान में सवार पायलट सहित दोनों लोग दुर्घटना से पहले ही उससे बाहर निकलने में सफल रहे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि कलबुर्गी स्थित रेडबर्ड एविएशन का दो सीट वाला विमान विजयपुर के बाबलेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि विमान में सवार दोनों व्यक्ति हादसे से पहले उससे बाहर निकलने में सफल रहे। सूत्रों के मुताबिक, हादसे में विमान के तीन टुकड़े हो गए। उन्होंने बताया कि विमान में रेडबर्ड एविएशन के सहायक उड़ान प्रशिक्षक (एएफआई) कैप्टन कुणाल मल्होत्रा ड्ड्और प्रशिक्षु पायलट गौतम शंकर पीआर सवार थे।

सूत्रों के अनुसार, मल्होत्रा और शंकर को चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि प्रशिक्षण विमान ने कलबुर्गी से बेलगावी के लिए उड़ान भरी थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, रेडबर्ड फ्लाइंग ट्रेनिंग एकेडमी लिमिटेड का सेसना-172 विमान, वीटी-ईयूसी (एमएसएन-17265717), बेलगावी हवाई अड्डे से 100 किलोमीटर पूर्व में बागलकोट के पास एक खेत में आपातकालीन स्थिति में उतरने में सफल रहा। बताया जा रहा है कि प्रशिक्षक और प्रशिक्षु दोनों सुरक्षित हैं।

भारत-अमेरिका समझौते से तीन वर्षों में परिधान निर्यात दोगुना होने की उम्मीद: निर्यातक

तिरुप्पुर (तमिलनाडु)/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच हुए हालिया समझौते के बाद अगले तीन वर्षों में अमेरिका को कपड़ों का निर्यात दोगुना होकर 30,000 करोड़ रुपए तक पहुचने की उम्मीद है। तिरुप्पुर के कपड़ा उद्योग के निर्यातकों ने रविवार को यह बात कही।

तिरुप्पुर निर्यातक संघ के अध्यक्ष के एम सुब्रमणियन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि चेन्नई से लगभग 450 किलोमीटर पश्चिम में स्थित तिरुप्पुर में भी इस अवधि के दौरान रोजगार सृजन में लगभग पांच लाख की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे को अंतिम रूप दे दिया है, जिसके तहत दोनों पक्ष दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे।

इस समझौते पर टिप्पणी करते हुए सुब्रमणियन ने कहा, हम इस कदम का स्वागत करते हैं। यह समझौता महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे तिरुप्पुर को अगले पांच वर्षों में जबरदस्त वृद्धि मिलेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में तमिलनाडु से कपड़ों का निर्यात 15,000 करोड़ रुपए का है और इस समझौते के बाद इसके अगले तीन वर्षों में 30,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है।

सुब्रमणियन ने कहा कि भारत-अमेरिका समझौते के कारण पांच लाख और नए रोजगार पैदा होंगे। तिरुप्पुर के एक अन्य उद्यमी और स्टारलाइट एक्सपोर्टर्स के संस्थापक एम. रथिनसामी ने कहा कि इस सौदे से तमिलनाडु को अमेरिका से और अधिक ऑर्डर मिलेंगे।

उद्घाटन

शिरगुप्पी में रविवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या विधायक कोनाराड्डी और अन्य लोगों के साथ बेनी हल्ला बाढ़ कंट्रोल प्रोजेक्ट के उद्धाटन के दौरान।

मेट्रो किराए में हुई बढ़ोतरी को वापस लेने का कोई आदेश नहीं : बीएमआरसीएल सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के सूत्रों ने रविवार को कहा कि सोमवार से लागू होने वाले संशोधित मेट्रो किरायों को वापस लेने को लेकर अब तक कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीएमआरसीएल ने हाल ही में मेट्रो किरायों में एक रुपये से लेकर पांच रुपये तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। बीएमआरसीएल के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेट्रो किराये को वापस लेने को लेकर हमें कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए पहले जो घोषणा की गई थी, वही लागू रहेगी।

इस बीच, बेंगलूरु दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को कहा था कि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शहर में प्रस्तावित मेट्रो किराया वृद्धि को अस्थायी रूप से रोकने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सूर्या ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने किराया निर्धारण समिति (एफएफसी) में पाई गई विसंगतियों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा का आश्वासन भी दिया है और यदि राज्य सरकार अनुरोध करती है तो एक नयी समिति गठित करने पर भी विचार किया जा सकता है।

इससे पहले दिन में, सूर्या ने मेट्रो यात्रियों से बातचीत की और किराया वृद्धि पर उनकी राय जानी। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार किराये में संशोधन किए जाने से यात्री नाराज हैं। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार मेट्रो किराया वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

सूर्या ने किराया निर्धारण समिति के गठन की मांग भी की। उधर, केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मेट्रो किराया वृद्धि के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। मैसूरु में संवाददाताओं से बात करते हुए जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता कुमारस्वामी ने कहा, मेट्रो किराया बढ़ाने के बाद राज्य सरकार इसकी जिम्मेदारी केंद्र पर डाल रही है, जो सही नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के किराया वृद्धि लागू न करने के अनुरोध के बावजूद राज्य सरकार इसे आगे बढ़ाने पर अड़ी हुई है। कुमारस्वामी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्रीय योजनाओं और नीतियों के क्रियान्वयन को लेकर केंद्र के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने को इच्छुक नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने बेंगलूरु मेट्रो किराया वृद्धि को अस्थायी रूप से रोकने का निर्देश दिया : सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अधिकारियों को शहर में प्रस्तावित मेट्रो किराया वृद्धि को अस्थायी रूप से रोकने का निर्देश दिया है, जो नौ फरवरी से प्रभावी होने वाली है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने किराया निर्धारण समिति (एफएफसी) में विसंगतियों की व्यक्तिगत समीक्षा का भी आश्वासन दिया और कहा कि अगर राज्य सरकार अनुरोध करती है तो एक नयी समिति पर विचार किया जा सकता है।

सूर्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी के साथ फोन पर विस्तृत बातचीत हुई और सोमवार से प्रस्तावित राज्य सरकार की बेंगलूरु मेट्रो किराया में अनुचित वृद्धि के खिलाफ उनके तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।'' उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में पहले से ही भारत में सबसे महंगा मेट्रो किराया है, व एक और बढ़ोतरी सार्वजनिक परिवहन को लाखों नागरिकों के लिए अप्रभावी बना देगी, जिससे इसका उद्देश्य विफल हो जाएगा।

बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मेट्रो किराए को उसकी वार्षिक स्वचालित किराया समायोजन प्रणाली के तहत 9 फरवरी से ज़ोन आधार पर संशोधित किया जाएगा। नयी संरचना के तहत, नम्मा मेट्रो के किराए में 10 जोन में 1 रुपये से 5 रुपये की बढ़ोतरी तय की गई थी, जिसमें पूरे नेटवर्क में यात्रा की दूरी के अनुसार शुल्क समायोजित किया गया है।

घोषणा के बाद, राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। भाजपा ने इस फैसले के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया, वहीं कांग्रेस ने कहा कि बढ़ोतरी केंद्र सरकार के अधिकारियों की अध्यक्षता वाली एफएफसी द्वारा निर्धारित की गई और राज्य से परामर्श नहीं किया गया था।

एसएनडीपी-एनएसएस के एकता के प्रयास के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं था : वेल्लापल्ली नटेसन

कोच्चि/भाषा। एसएनडीपी योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन ने रविवार को कहा कि एनएसएस के साथ एकता के लिए उन्होंने जो पहल की, उसका कोई राजनीतिक मकसद नहीं था।

वह पत्रकारों से एझवा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री नारायण धर्म परिपालन (एसएनडीपी) योगम और नायर समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) को करीब लाने के अपने प्रयास के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। यह प्रयास बाद में विफल हो गया।

नटेसन ने कहा कि इस मुद्दे पर मीडिया में और चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। यह कदम चुनावों को ध्यान में रखकर नहीं उठाया गया था। एनएसएस के महासचिव जी सुकुमारन नायर के एकता पहल में अविश्वास के बारे में पूछे जाने पर नटेसन ने कहा कि वह इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे। उन्होंने कहा, विश्वास ही सब कुछ तय करेगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या एसएनडीपी योगम आगामी चुनावों में किसी राजनीतिक दल का समर्थन करेगा, तो उन्होंने कहा कि उनके समुदाय के लोग विभिन्न दलों का समर्थन करते हैं और अपनी व्यक्तिगत पसंद के अनुसार मतदान करेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि एसएनडीपी योगम, समुदाय के सदस्यों से किसी विशेष पार्टी को वोट देने के लिए कहकर कोई निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी का समर्थन करने का निर्णय लेने के लिए भी एसएनडीपी योगम बोर्ड की बैठक आवश्यक होगी। उन्होंने कहा, ऐसा निर्णय केवल बोर्ड परिषद ही ले सकती है। चुनाव परिणाम घोषित होने दें और उम्मीदवारों के नाम घोषित होने दें।

सबका विकास के मूल मंत्र पर सरकार निरंतर कर रही कार्य : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान, श्रमिक और पशुपालकों सहित अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के हर गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सरकार स्वयं पात्र लाभान्वितों तक पहुंच रही है और संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। शर्मा रविवार को रामगढ़ के ग्राम बहाला में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अलवर शहर के लिए 152 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े लोकार्पण और शिलान्यास कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में देश की आत्मा बसती है। इसी मूल मंत्र के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की रूपरेखा बनाई है। उनके द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से गांवों को खुले में शौच से मुक्ति मिल रही है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को पक्के मकान और जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ जल पहुंचाने के कार्य किए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि वीबी जी राम जी कानून में ग्रामीणों को वर्ष में 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इस कानून के अंतर्गत सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ और आधुनिक तकनीक के माध्यम से होंगे, जिससे श्रमिकों की मजदूरी सीधे उनके खाते में पहुंचेगी। स्थायी संपत्तियों का निर्माण होगा, जिससे गांवों का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि इस कानून में नरेगा की खामियों को दूर किया गया है। यह कानून विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 1800 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर ग्रामीणों को केन्द्र एवं राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। इन शिविरों में 1 लाख 34 हजार से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड और 65 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड के वितरण के साथ ही 37 हजार किसान क्रेडिट कार्ड के आवेदन लिए गए हैं। इसी प्रकार लगभग साढ़े 6 लाख पशुओं का उपचार और पीएम सूर्य घर योजना के तहत 36 हजार से अधिक का पंजीकरण किया गया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पशुपालकों के उत्थान के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से पशुओं का पंजीकरण हो रहा है और तत्काल स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी जारी किए जा रहे हैं। डेयरी उद्योग को सशक्त बनाने की दिशा में प्राथमिक और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण किया जा रहा है। वहीं, महिलाओं को संबल प्रदान करने के दृष्टिगत दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 9 हजार रुपये की राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, इस वर्ष के लिए 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। सभी प्रतियोगी परीक्षाएं एवं नियुक्तियां पारदर्शिता के साथ हुई हैं। शर्मा ने युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नवीन युवा नीति भी लेकर आई है, जिसमें युवाओं को बिना ब्याज का ऋण दिया जाएगा। इससे युवा रोजगार प्रदाता बनेंगे।

केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से डेयरी, सौर ऊर्जा आदि के कार्य सुगमता से हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण की अवधारणा के अनुरूप प्रदेश में जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। सबका साथ, सबका विश्वास सुनिश्चित करते हुए विकसित राजस्थान का मार्ग तेजी से प्रशस्त हो रहा है। यादव ने अलवर में साढ़े 5 लाख लीटर क्षमता की डेयरी के लिए 250 करोड़ रुपये की स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अलवर जिले का निरंतर विकास हो रहा है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, अलवर शहर में जलापूर्ति, कन्या महाविद्यालय जैसी महत्वपूर्ण सौगातें मिली हैं।

राजस्थान में हर चिकित्सा महाविद्यालय में छात्रों के लिए बनाया जाएगा समग्र कल्याण केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मेडिकल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हर चिकित्सा महाविद्यालय में एक समग्र कल्याण केंद्र और राज्य स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य कल्याण प्रकोष्ठ बनाए जाएंगे। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल ने चिकित्सा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए गठित राज्य स्तरीय कार्य बल की पहली बैठक में इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय कार्य बल की रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए चिकित्सा महाविद्यालयों में सुविधाओं और मानसिक कल्याण के लिए प्रशासनिक व शैक्षणिक ढांचे में सुधार के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा, छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में एक समग्र कल्याण केंद्र और राज्य स्तर पर एक मानसिक स्वास्थ्य कल्याण प्रकोष्ठ की स्थापना तुरंत की जाए। साथ ही प्रत्येक संस्थान में एक डीन की नियुक्ति की जाएगी, जो विशेष रूप से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की निगरानी करेंगे।

मेडिकल विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए आयुक्त ने सभी चिकित्सा महाविद्यालयों और हॉस्टल में सुरक्षात्मक उपायों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। इसके अंतर्गत 'छतों की बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने के साथ-साथ संपूर्ण महाविद्यालय परिसर में प्रभावी निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा। छात्रों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शिकायत निवारण प्रणाली के तहत एक विद्यार्थी ऐप बनाया जाएगा।

कन्हैयालाल हत्याकांड के चार साल बाद भी पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला : गहलोत

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने रविवार को आरोप लगाया कि उदयपुर में वर्ष 2022 में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी भाजपा से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि मामला

सीधा और स्पष्ट होने के बावजूद घटना के करीब चार साल बाद भी पीड़ित परिवार को न्याय का इंतजार है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर त्वरित कार्रवाई की थी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी। उन्होंने कहा, 2022 से 2026 तक कन्हैयालाल का परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मामले की स्थिति और आरोपियों को सजा दिलाने के बारे में पूछा, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सजा में हो रही देरी को लेकर जनता में आशंका बढ़ रही है और इसका कारण आरोपियों का भाजपा से जुड़ा होना बताया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि चुनावों के दौरान इस मुद्दे का राजनीतिकरण झूठे दावों के साथ किया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दी गई है। गहलोत ने कहा, देश यह सब देख रहा है और समय आने पर जवाबदेही तय होगी।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी कर रहे हुनर का प्रदर्शन

जयपुर/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में खेल संस्कृति को नये आयाम मिल रहें है। इसके तहत जयपुर में जिला प्रशासन द्वारा पंच गौरव योजना का प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जा रहा है। पंच गौरव योजना के अंतर्गत एक जिला-एक खेल के रूप में कबड्डी को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा जिले में योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करते हुए खेल गतिविधियों को निरंतर गति प्रदान की जा रही है। यही कारण है कि जयपुर जिले के गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में आज कबड्डी की गूंज सुनाई दे रही है। पंच गौरव योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण अंचलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक युवा प्रतिभाएं कबड्डी के मैदानों में अपना हुनर निखार रही हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में कबड्डी को बढ़ावा देते हुए जिला प्रशासन जयपुर द्वारा युवाओं की प्रतिभाओं को तलाशने एवं तराशने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कबड्डी ग्रामीण परिवेश में सहज, सुलभ एवं लोकप्रिय खेल है, जो युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिले में युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक कर उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया जिले के प्रत्येक राजस्व गांव में कबड्डी मैदान विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 77 लाख 15 हजार रुपये व्यय कर 1 हजार 173 कबड्डी मैदान तैयार किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त विभागीय मद एवं भामाशाहों के सहयोग से 32 लाख 70 हजार रुपये की लागत से जिले के प्रत्येक ब्लॉक में सिंथेटिक मेट मैदान तैयार किए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'अलवर टाइगर इंटरनेशनल' हाफ मैराथन को दिखाई हरी झंडी

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के अलवर जिले में रविवार को हाफ मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें विदेशी धावकों के साथ-साथ सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने भी भाग लिया। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा की मौजूदगी में अलवर जिले के प्रताप सभागार से 'अलवर टाइगर इंटरनेशनल' हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इसमें कहा गया कि आयोजन में विदेशी धावकों के साथ-साथ सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने भी भाग लिया। मैराथन के 'ब्रांड एंबेसडर' अभिनेता रणदीप हुड्डा भी इस अवसर पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने 'फिनिशिंग लाइन' पर पहुंचकर धावकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पद्मसे सम्मानित भपंग कलाकार गफूरुद्दीन मेवाती जोगी को भी सम्मानित किया। अधिकारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस मैराथन का आयोजन अलवर सांसद खेल महोत्सव के तहत किया गया जिसका उद्देश्य 'फिट इंडिया मिशन' को बढ़ावा देना, बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और अलवर में पर्यटन को प्रोत्साहित करना था।

मैराथन में पहुंचे रणदीप हुड्डा

सामाजिक एकता, फिटनेस, बाघ संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अलवर में अलवर टाइगर मैराथन का आगाज हो चुका है, जहां राजनीति से जुड़े लोगों से लेकर बॉलीवुड के फिट स्टार रणदीप हुड्डा को भी देखा गया। मैराथन में पहुंचे रणदीप का कहना है कि अलवर जल्द ही विश्व के मैप पर स्थापित होगा। अलवर टाइगर मैराथन में पहुंचे अभिनेता रणदीप हुड्डा ने कहा, बदलाव की लहर चल रही है। हमारे यहां के सांसद और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक ही तीर से बहुत सारे निशाने मारे हैं। यह न केवल फिट इंडिया का हिस्सा है, बल्कि बाघ संरक्षण का भी हिस्सा है। यह विश्व प्रसिद्ध खेल केंद्र और वैश्विक मैराथन स्थल है, जिसे दुनिया के मैप पर स्थापित करने की जरूरत है। मैराथन के दूसरे संस्करण में ही ये तीन गुना ज्यादा बढ़ गया है और मेरा मानना है कि ये आगे जाकर और भी बढ़ेगा और मेरी तरफ से सभी को अभी से शुभकामनाएं। उन्होंने आगे कहा, अलवर बहुत सुंदर शहर है। मैं पहली बार अलवर तब आया था जब इसका पहला लॉन्च हुआ था, और आज दोबारा आकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। यहां इतिहास भी है, नेचर भी है और कल्चर भी है। अलवर बहुत सुंदर है, और जब भी अगली बार आऊंगा तो एक एक्टर के तौर पर नहीं बल्कि वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर के तौर पर आऊंगा और बाघों की बहुत सारी फोटोज क्लिक करूंगा। फिलहाल तो मैं शूटिंग से आया हूं और वहीं जा रहा हूं। अलवर में शूटिंग को लेकर अभिनेता ने कहा, अलवर बहुत सुंदर जगह है। दुख की बात है कि ऐसे शहरों में शूटिंग नहीं होती है।

राजस्थान में बीते 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहा, फतेहपुर सबसे ठंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क बना रहा। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार रविवार सुबह सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में अब तक का सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने बताया कि पाली में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस, सीकर में 6.5 डिग्री सेल्सियस और सिरोही एवं करौली में सात-सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

इण्डिया स्टोनमार्ट 2026, पत्थर उद्योग और इससे जुड़े शिल्प निर्माण क्षेत्र की भविष्य संभावनाओं के द्वार खोलने वाला : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पत्थर उद्योग और उससे जुड़े प्रसंस्करण में सुरक्षित खनन के साथ पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन को प्राथमिकता में रखकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पत्थरों के खनन में ही नहीं उनकी विविधता और निर्यात में भी देश में अग्रणी है। उन्होंने 'इण्डिया स्टोनमार्ट 2026' को पत्थर उद्योग और इससे जुड़े शिल्प निर्माण क्षेत्र, उद्यमिता की भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलने वाला बताया। राज्यपाल बागड़े 'इण्डिया स्टोनमार्ट 2026' के समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्थर उद्योग खनन में सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि एक परिपक्व उद्योग की नैतिक जिम्मेदारी भी है। इस मार्ट के आयोजन का अर्थ ही है- राजस्थान के पाषाण वैभव से जुड़े विचार का वैश्विक प्रसार।

उन्होंने कहा कि भारत के कुल पत्थरों के खनन और प्रंसस्करण राजस्थान का 70 प्रतिशत योगदान है। उन्होंने संगमरमर, ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर के सबसे बड़े उत्पादकों में राजस्थान के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि इस समय राजस्थान मे 81 प्रकार के पत्थरों का खनन होता है। इनमे से 57 का व्यावसायिक दोहन होता है। राज्यपाल ने पत्थर खनन से जुड़ी उद्यमशीलता और औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर सभी स्तरों पर कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने आयोजन स्थल पर विभिन्न स्टॉल में प्रदर्शित पत्थरों के शिल्प-सौंदर्य और निर्माण कार्यों में उनकी उपयोगिता का अवलोकन करते हुए कहा कि भारतीय पत्थर-उद्योग ने विश्वभर में अब अपनी विशिष्ट पहचान अब स्थापित कर ली है।

भीलवाड़ा में सनातन मंगल महोत्सव की तैयारियां तेज : राज्यपाल,मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष की संभावित उपस्थिति को लेकर प्रशासन अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। शहर में पहली बार आयोजित होने जा रहे भव्य सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के संयोजन में यह महोत्सव 19 से 26 फरवरी तक आयोजित होगा। महोत्सव में राजस्थान के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष सहित प्रदेश के कई मंत्रीगण एवं भीलवाड़ा जिले के तमाम जनप्रतिनिधियों की संभावित उपस्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों ने महोत्सव स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, अतिक्रमण और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के साथ आयोजन स्थल सहित पूरे परिसर का भ्रमण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण दल में एएसपी मुख्यालय पारस जैन, सीओ सिटी सज्जन सिंह, सीओ यातायात, भीमगंज थानाधिकारी सुनील चौधरी, कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर, ट्रैफिक इंचार्ज बाबूलाल टेपन, डीएसबी से एएसआई अरविंद व राजकुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। उनके साथ आयोजन समिति से सुरेश गोयल, रविंद्र जाजू, रमेश मूंदड़ा, अशोक मूंदड़ा, हनुमान अग्रवाल, छितर मल गेंगट, कन्हैयालाल मोरयानी सहित समिति के कई सदस्य भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महोत्सव स्थल के आसपास के मार्गों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने, यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं और अतिथियों की सुविधा सर्वोपरि रहे तथा किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।गौरतलब है कि इस महोत्सव के दौरान हरी शेवा उदासीन आश्रम के तीन ब्रह्मचारियों को दीक्षा दी जाएगी। इसे सनातन धर्म की साधना परंपरा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। महोत्सव में देश-विदेश से संत-महात्मा, बड़ी संख्या में श्रद्धालु तथा शहर, जिले और प्रदेश के नागरिक सहभागिता करेंगे।

यूसीसी का निर्माण आम सहमति से किया जाना चाहिए, इससे मतभेद नहीं पैदा होने चाहिए : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का निर्माण सभी को विश्वास में लेकर किया जाना चाहिए और इससे मतभेद नहीं पैदा होने चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या आरएसएस के लिए अच्छे दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद आए, भागवत ने कहा कि मामला इसके विपरीत था। उन्होंने कहा कि संघ अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध रहा और उसका समर्थन करने वालों को इसका फायदा मिला। हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर को 'भारत रत्न' से अलंकृत किए जाने की लंबे समय से जारी मांग पर भागवत ने कहा कि अगर उन्हें (सावरकर को) यह सम्मान प्रदान किया जाता है, तो इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी।

भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में रवीना टंडन, विकी कौशल, अनन्या पांडे,

करण जौहर, मधुर भंडारकर, रमेश तौरानी और पंडित हृदयनाथ मंगेशकर सहित कई दिग्गज फिल्मी हस्तियां मौजूद थीं। भागवत ने कहा कि यूसीसी का निर्माण सभी को विश्वास में लेकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इससे मतभेद नहीं पैदा होने चाहिए। उत्तराखंड में तीन लाख सुझाव हासिल हुए और सभी हितधारकों से चर्चा के बाद अधिनियम पारित किया गया।

एक अन्य सवाल के जवाब में संघ प्रमुख ने कहा कि कोई बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक (समुदाय) नहीं है, हम सब एक ही समाज हैं। उन्होंने मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोगों के साथ विश्वास, मित्रता और संवाद कायम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भागवत ने कहा, इस्लाम को शांति का धर्म कहा जाता है, लेकिन शांति दिखाई नहीं देती। अगर धर्म में आध्यात्मिकता न हो, तो वह प्रभुत्वशाली और आक्रामक हो जाता है। आज इस्लाम और ईसाई धर्म में जो कुछ देखा जा रहा है, वह ईसा मसीह और पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं के अनुसार नहीं है। हमें वास्तविक इस्लाम और ईसाई धर्म के अनुसरण की आवश्यकता है।

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में भागवत ने कहा कि उन्हें इसकी विस्तृत जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, यह सच है कि हम अलग-थलग नहीं रह सकते। सौदों में लेन-देन होता है। यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होना चाहिए... हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमें नुकसान न हो।

केंद्रीय बजट के प्रावधानों से झारखंड के विकास में तेजी आएगी : राजीव प्रताप रूडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनती पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद राजीव प्रताप रूडी ने रविवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आम बजट के प्रावधान झारखंड के विकास में तेजी लाएंगे।

उन्होंने कहा कि झारखंड को वित्त वर्ष 2026-27 में कर हस्तांतरण के माध्यम से 51,236 करोड़ रुपए और अनुदान सहायता

के रूप में 17,000 करोड़ रुपए से अधिक प्राप्त होंगे। रूडी ने रांची में भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''2014 से 2026 तक झारखंड को कर राजस्व के रूप में 3.14 लाख करोड़ रुपए और अनुदान के रूप में 1.04 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। वित्त वर्ष 2020-21 से जनवरी 2026 तक विभिन्न परियोजनाओं के लिए राज्य को 11,567 करोड़ रुपए की विशेष सहायता भी दी गई।''

उन्होंने कहा कि 2014 से राज्य के लिए रेलवे बजट दोगुना कर दिया गया है और 2014 से 2023 के बीच हर साल 121 किलोमीटर रेल पटरी का निर्माण किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में झारखंड के लिए रेलवे का बजट 7,302 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। 2009 से 2014 के बीच राज्य के लिए बजट मात्र 457 करोड़ रुपए था।''

कांग्रेस ने पप्पू यादव की गिरफ्तारी का विरोध किया, नीतीश का पुतला फूंका

पटना/भाषा। कांग्रेस ने 30 साल से अधिक पुराने जालसाजी के मामले में निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी के विरोध में रविवार को पटना में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी मुख्यालय 'सदाकत आश्रम' के बाहर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला फूंका और राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पप्पू यादव को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 467 (दस्तावेजों की जालसाजी) के तहत दर्ज एक मामले के सिलसिले में शुक्रवार रात मंदिरी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया था। पटना की एक अदालत ने शनिवार को उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि, खराब स्वास्थ्य के कारण वह सोमवार को अगली सुनवाई तक पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) में ही रहेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रेमचंद सिंह ने आरोप लगाया कि राजग सरकार ''राज्य की बेटियों को न्याय दिलाने में विफल साबित हो रही है'' और इसके बजाय ''आवाज उठाने वालों को जेल में डाल रही है।'' वहीं, एक अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता आरती राय ने पप्पू यादव की रिहाई की मांग करते हुए कहा कि वह एक ऐसे नेता हैं, जो बिहार के आम लोगों से जुड़ाव रखते हैं।

राय ने कहा, ''सरकार की ओर से उनके साथ किया गया व्यवहार अन्यायपूर्ण है।'' इससे पहले, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने संवाददाताओं से कहा, ''राज्य में निरंकुश शासन स्थापित हो गया है। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है।''

केंद्रीय बजट 'विकसित भारत' 2047 के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा : जयवीर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनपुरी/मिर्ज़ापुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 'विकसित भारत' 2047 के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

वहीं प्राविधिक शिक्षा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि 2026-27 के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट उत्पादकता बढ़ाने वाला और प्रतिस्पर्धात्मक है।

मैनपुरी में जयवीर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा केंद्रीय बजट को सबसे गरीब लोगों, महिलाओं, किसानों, युवा पीढ़ी, मजदूरों और मध्यम वर्ग के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है ताकि उनकी समृद्धि सुनिश्चित हो सके। यह

बजट विकसित भारत की नींव को और मजबूत करेगा और 'विकसित भारत' 2047 के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा, बेहतर शिक्षा और किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि उन्हें अपनी कृषि उपज के लिए बेहतर समर्थन मूल्य मिल सके।

सिंह ने कहा कि यह बजट विकास, आत्मविश्वास और तीव्र प्रगति का एक सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह 'विकसित उत्तर प्रदेश' और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मिर्जापुर में पत्रकारों से बात करते हुए तकनीकी शिक्षा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 उत्पादकता बढ़ाने वाला है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बजट के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत के लिए रोडमैप तैयार किया है।

पटेल ने कहा कि केंद्रीय बजट का उद्देश्य मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाना, बेरोजगारी को दूर करना, किसानों को सहायता देना और आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

बजट में कृषि के लिए किए गए प्रावधानों के बारे में बात करते हुए पटेल ने कहा कि दालों और तिलहन फसलों के प्रसंस्करण के साथ-साथ अधिक उपज देने वाले बीजों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

रेल परियोजनाओं को पूरा करने में बंगाल सरकार सहयोग करे : वैष्णव

कोलकाता/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को पश्चिम बंगाल सरकार से भूमि उपलब्ध कराने सहित राज्य में रेलवे परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया। वैष्णव ने बीरभूम के सिउरी और पश्चिम बर्धमान जिले के कुमारपुर में दो सड़क ओवरब्रिज का ऑनलाइन उद्घाटन करने और आसनसोल और झारखंड के बोकारो के बीच एमईएमयू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद यह टिप्पणी की।

रेलमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल के विकास के लिए ''धन की कोई कमी नहीं होगी''। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार का सहयोग राज्य में चल रही विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को पूरा करने में सहायक होगा। रेल मंत्री ने कोलकाता मेट्रो के न्यू गड़िया-हवाई अड्डा खंड के लिए यहां चिंगरीघाटा क्रॉसिंग पर 366 मीटर लंबे वायडक्ट के निर्माण को लेकर एक साल से अधिक समय से चल रहे विवाद की ओर इशारा किया, जो शहर के आईटी हब, सॉल्ट लेक सेक्टर-5 से होकर गुजरता है। वैष्णव ने कहा, ''कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश और मेट्रो अधिकारियों द्वारा वैकल्पिक सड़क का निर्माण किए जाने के बावजूद, राज्य सरकार निर्माण कार्य की अनुमति नहीं दे रही है।'' उन्होंने कहा कि इस देरी से पश्चिम बंगाल के लोग प्रभावित हो रहे हैं।

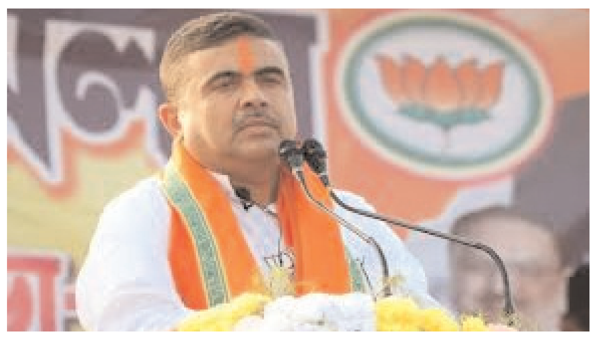

अप्रैल में होने वाले चुनावों के बाद बंगाल में भाजपा अगली सरकार बनाएगी : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि पार्टी आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में दो-तिहाई बहुमत हासिल करेगी और अप्रैल तक सरकार बनाएगी जिससे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का 15 साल का शासन समाप्त हो जाएगा।

बीरभूम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि मतदाताओं ने अपना मन बना लिया है और जोर देकर कहा कि टीएमसी को उत्तर और दक्षिण बंगाल दोनों में निर्णायक हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी अब मतदाताओं को आतंकित नहीं कर पाएगी या प्रॉक्सी वोटिंग का सहारा नहीं ले पाएगी क्योंकि मतदाता सूचियों के एसआईआर के बाद फर्जी मतदाताओं के नाम हटा दिए जाने से ऐसी प्रथाओं पर अंकुश लग गया है। विपक्ष के नेता ने कहा, हालात साफ हैं। हम 2026 के विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल करेंगे और अप्रैल तक सरकार बनाएंगे। मई में हम हर महिला के लिए 3,000 रुपए मासिक अनुदान की घोषणा करेंगे। मैं आपको वचन दे रहा हूं। अधिकारी का खंडन करते हुए टीएमसी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा, अधिकारी भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए दिवास्वप्न देखते रह सकते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि आगामी चुनावों में भगवा पार्टी दो अंकों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी। टीएमसी सांसद कल्याण बंदोपाध्याय ने कहा कि भाजपा को इस साल के चुनावों में गंभीर चुनावी हार का सामना करना पड़ेगा क्योंकि बंगाल की जनता कभी भी ऐसी पार्टी का समर्थन नहीं करेगी जो बंगाल की संस्कृति और उसके दिग्गजों से परिचित न हो।

भांबरी-दक्षिणेश्वर ने युगल मुकाबला जीतकर भारत को बढ़त दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश ने मैराथन युगल मुकाबले में डेविड पेल और सैंडर एरेंड्स को 7 . 6, 3 . 6, 7 . 6 से हराकर भारत को नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर पहले दौर के मुकाबले में रविवार को 2 . 1 से बढत दिला दी ।

तीन घंटे तक चले बराबरी के मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी की जगह दक्षिणेश्वर को उतारने का भारतीय कप्तान रोहित राजपाल का फैसला सटीक साबित हुआ । दोनों टीमों के लिए यह अहम मुकाबला था क्योंकि कल स्कोर 1 . 1 से बराबर था । भाम्बरी की सर्विस पर लगातार दबाव था खासकर सातवें गेम में जब उनकी पहली सर्विस कमजोर पड़ गई थी । जब स्कोर 30.30 से बराबर था तब एक 'डबल फॉल्ट' से नीदरलैंड को ब्रेक प्वाइंट मिला लेकिन भाम्बरी ने सटीक रिटर्न से जवाब देकर खतरे को टाल दिया। इसके बाद दक्षिणेश्वर बैकहैंड वॉली पर गेम प्वाइंट बनाने से चूक गए और एरेंड्स के स्मैश से डच टीम को फिर बढत बनाने का मौका मिला । इस खतरे को भी भारतीय जोड़ी ने टाल दिया । इसके बाद लंबी रिटर्न पर एरेंड्स से चूक गई और यह लंबा गेम खत्म हुआ । अगले गेम में भारत को पहला ब्रेक प्वाइंट बनाने का मौका मिला लेकिन डच जोड़ी ने बचाव कर लिया । भारतीय जोड़ी को पांच ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने एक भी भुनाने नहीं दिया । सेट टाइब्रेकर में खिंचने के बाद भांबरी और दक्षिणेश्वर ने 4 . 0 की बढत बना ली और एक भी अंक गंवाये बिना इसे खत्म किया।

प्रशांत किशोर ने जन सुराज को मजबूत करने के लिए बिहार नवनिर्माण यात्रा शुरू की

बेतिया (बिहार)/भाषा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को पश्चिम चंपारण जिले से 'बिहार नवनिर्माण यात्रा' की शुरुआत करते हुए कहा कि यह अभियान राज्य भर में संगठन के पुनर्निर्माण और मजबूती पर केंद्रित होगा। लोगों का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद, जन सुराज पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में एक भी सीट जीतने में असफल रही। पार्टी ने 238 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

किशोर ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''यात्रा बिहार में एक ईमानदार और जवाबदेह राजनीतिक विकल्प पेश करने के लिए राज्य भर में पार्टी के संगठन के पुनर्निर्माण और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।''

उन्होंने कहा कि पार्टी विधानसभा चुनाव के बाद भी लोगों के बीच सक्रिय है और अब यह यात्रा जिला स्तर पर अपने जमीनी नेटवर्क का विस्तार और पुनर्गठन करने में मदद करेगी। किशोर ने कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा बिहार नवनिर्माण अभियान जमीन पर निर्बाध रूप से चले, मैं प्रत्येक जिले में कुछ समय बिताऊंगा, और पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए पुराने सहयोगियों और नए इच्छुक लोगों से मिलूंगा।''

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में दीपक जलाने मंदिर गई युवती से दुष्कर्म

बांदा (उप्र)/भाषा। चित्रकूट जिले के राजापुर क्षेत्र के एक गांव में मंदिर में दीपक जलाने गई युवती को बंधक बनाकर दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक के भाग जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने उसकी मोटरसाइकिल में आग लगा दी, जिसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गांव में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सत्यपाल सिंह ने दर्ज रिपोर्ट का हवाला देते हुए रविवार को बताया कि राजापुर थानाक्षेत्र के एक गांव में शनिवार की देर शाम 18 साल की एक लड़की दीपक जलाने के लिए मंदिर गई थी, तभी वहां पहले से मौजूद स्थानीय युवक राजेश कुमार (24) ने दुपट्टे से लड़की के हाथ बांधकर उससे दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि लड़की के काफी देर तक घर न पहुंचने के बाद परिजन मंदिर गए और इस दौरान आरोपी युवक अपने कपड़े और मोटरसाइकिल घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग गया।

सिंह ने बताया कि ग्रामीण काफी देर तक आरोपी की तलाश करते रहे, उसके न मिलने पर उन्होंने उसकी मोटरसाइकिल को आग लगा दी। एएसपी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर शिकायत दर्ज करके रविवार को पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में बड़ी संख्या में पीएसी और पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की आठ टीम गठित की गई हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सरकार द्वारा नियुक्त पेशेवर एजेंसियां उन चुनिंदा बूथों को निशाना बना रही हैं, जहां उनकी पार्टी ने चुनाव जीता है।

यादव ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा, ''सरकार ने कुछ एजेंसियों को नियुक्त किया है जिनमें दिल्ली, लखनऊ और देशभर के अन्य स्थानों से काम कर रहे पेशेवर लोग शामिल हैं। उनके पास पूरी मतदाता सूची का डेटा उपलब्ध है और इसके माध्यम से वे उन बूथों की पहचान

कर रहे हैं जहां समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है।'' 'फॉर्म-सात' का उपयोग किसी के नाम को मतदाता सूची में शामिल करने या सूची से हटाने के लिए किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ने पहले ही चुनाव परिणामों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''एसआईआर के जरिए ही वे बिहार चुनाव जीतने में सफल हुए हैं। इसमें एसआईआर की अहम भूमिका रही है।''

यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा पश्चिम बंगाल में भी यही करने की कोशिश कर रही है। इसलिए वहां की सरकार और मुख्यमंत्री बार-बार कह रही हैं कि निर्वाचन आयोग भाजपा का आयोग बन गया है।'' उच्चतम न्यायालय में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खुद पैरवी करने का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, ''उन्हें भाजपा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में पेश होने के लिए काला कोट पहनने को मजबूर किया गया। इससे पता चलता है कि किस तरह का भेदभाव हो रहा है और निर्वाचन आयोग भाजपा का 'सहयोगी दल' बन गया है।'' सपा प्रमुख ने कहा कि कई पार्टी कार्यकर्ताओं और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के 'प्रहरियों' ने संदिग्ध प्रपत्रों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा, ''समय-समय पर हमारे संगठन, पीडीए के प्रहरियों और जिम्मेदार नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हमें पहले से भरे हुए प्रपत्र सौंपे हैं।''

सूर्यकुमार में वह ठहराव आ गया है जो एमएस धोनी में था : हरमीत सिंह

मुंबई/भाषा। दबाव के क्षणों में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का शांतचित्त आत्मविश्वास अमेरिका के स्पिनर हरमीत सिंह को महान महेंद्र सिंह धोनी की याद दिलाता है । अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारत को संकट से निकालकर सूर्यकुमार ने 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी खेली और जीत के सूत्रधार रहे ।

यह पूछने पर कि क्या उन्होंने और सूर्यकुमार ने कभी सोचा था कि सूर्यकुमार का कैरियर इस तरह से आगे जायेगा, हरमीत ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा ,'' बेशक, हम यह सब सोचते थे लेकिन उन्हें सफलता देर से मिली । मुझे लगता है कि अब उनमें वह ठहराव आ गया है जो एमएस धोनी में भी उनके कैरियर के आखिरी दौर में था ।'' उन्होंने कहा ,'' एक स्ट्रोक प्लेयर के तौर में उनमें जो लय थी, उन्होंने एक समझदारी भरी पारी खेलकर फिनिशर की भूमिका निभाई ।' हरमीत ने कहा ,''उस तरह की परिपक्वता जो विराट जैसे क्रिकेटरों में होती है । उसने एक परिपक्व पारी खेली और

यह अनुभव के साथ आता है । उसे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह बखूबी निभा रहा है ।'' भारतीय मूल के खिलाड़ी हरमीत ने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए । उन्होंने कहा ,'' मेरे लिए भारत में विश्व कप खेलना काफी भावुक पल था लेकिन यह मेरी अकेले की कहानी नहीं है । पूरी टीम की कहानी है । सभी अलग अलग जगहों , पृष्ठभूमियों और संस्कृतियों से आये हैं । क्रिकेट ने हम सभी को जोड़ा है ।''

सौरव गांगुली ने भारत की आक्रामक बल्लेबाजी रणनीति का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की आक्रामक बल्लेबाजी रणनीति का समर्थन करते हुए रविवार को कहा कि ईशान किशन और अभिषेक शर्मा जैसे शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों को असमान उछाल वाली पिचों पर भी बल्ले से अपनी आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगाना चाहिए।

टूर्नामेंट के पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक खेलते हुए बाद भारत का स्कोर छह विकेट पर 77 रन हो गया था जिसके बाद टीम ने वापसी करते हुए एक प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। गांगुली ने कहा कि यह तरीका आधुनिक टी20 क्रिकेट का एक स्वाभाविक नतीजा है।

गांगुली ने यहां भारत कोरपोरेट प्रीमियर लीग के चौथे सत्र के मौके पर कहा, ''टी20 क्रिकेट यही है। आपको लगातार हिट करते रहना होता है। वे बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और वे लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं। ऐसा होगा ही। '' उन्होंने कहा, ''कुछ मैच ऐसे होंगे जिनमें वे चूक जाएंगे क्योंकि वे भी इंसान हैं। और

जब आप हर समय हिट करते रहेंगे तो आप चूकेंगे ही। ''

गांगुली ने कहा, ''यह एक बहुत ही मजबूत टीम है। बहुत संतुलित मजबूत टीम है जिसमें गेंदबाजी, बल्लेबाजी, स्पिन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सब संतुलित है। जैसे-जैसे विश्व कप आगे बढ़ेगा, वे बेहतर होते जाएंगे क्योंकि एक बार जब आप टूर्नामेंट में खेलने लग जाते हैं तो लय आ जाती है। मैं भारत को प्रबल दावेदार मानता हूं और उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा। ''

गांगुली ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की सराहना करते हुए उन्हें एक सिद्ध मैच-विजेता बताया जो किसी भी दिन अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा, ''वह न्यूजीलैंड के खिलाफ बहुत रन बनाकर इस टूर्नामेंट में आए हैं। वह एक चैंपियन टी20 खिलाड़ी हैं। वह जिस तरह से गेंद को मैदान पर अलग-अलग हिस्सों में मारते हैं, वह अविश्वसनीय है। '' उन्होंने कहा, ''यह ऐसी टीम है जहां किसी भी दिन कोई भी खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर सकता है। जैसा कि मैंने कहा, वे सभी मैच का रुख बदल सकते हैं। '' अमेरिका के खिलाफ भारत तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरा था जो पेट खराब होने के कारण नहीं खेले थे। लेकिन पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा कि टीम ने चुनौती का प्रभावी ढंग से जवाब देकर अपनी गहराई दिखाई।

सुविचार

रिश्तो में वही रिश्ता सबसे अच्छा होता है जो किसी गलती के बाद हल्की सी मुस्कुराहट और थोड़ी सी माफी के साथ ही पहले जैसा हो जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अच्छी आदतों से बनाएं बेहतर समाज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्कूली पाठ्यक्रम में डिजिटल तथा वित्तीय साक्षरता को शामिल करने की जरूरत पर जोर देते हुए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दे की ओर देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया है। देश में जिस तरह साइबर धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं, उनके मद्देनज़र स्कूली बच्चों को बचाव के तौर-तरीके बताने चाहिएं। स्कूली पाठ्यक्रम में ऐसी सामग्री होनी चाहिए, जो दैनिक जीवन को आसान व सुरक्षित बनाए। विद्यार्थियों को बचत के फायदों, प्रमुख सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाए। डाकघर के माध्यम से कई बचत योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अगर उनसे स्कूली बच्चों को जोड़ दिया जाए तो भविष्य में उनका आधार और मजबूत हो सकता है। जो बच्चा बचत की आदत सीख लेता है, वह कई बुराइयों से बच जाता है। हर महीने किसी राज्य में फर्जी निवेश योजना का मामला सामने आता है। ऐसा कई दशकों से हो रहा है। कुछ लोग बैंक दर से भी काफी ज्यादा ब्याज देने का वादा करते हैं। वे कम अवधि में ही मालामाल होने के सपने दिखाते हैं। उनके झांसे में आकर काफी लोग 'निवेश' कर देते हैं। शुरुआत में उन्हें कुछ रकम मिलती है। इसके बाद वे और निवेश करते हैं। कुछ महीने बाद कंपनी गायब हो जाती है। ऐसे ठगों को शिकार मिलने में कोई समस्या नहीं होती। वे देशभर में लोगों को ठगते हैं और अपने खजाने भरते हैं। सोशल मीडिया के दौर में उनकी चांदी ही चांदी है। वे फोन कॉल पर लोगों के बैंक खाते खाली करते हैं। अगर स्कूली बच्चों को उनके हथकंडों की जानकारी देकर सावधान कर दिया जाए तो आम जनता का पैसा सुरक्षित हो सकता है।

स्कूली बच्चों को सिर्फ किताबें न पढ़ाते रहें। उन्हें कुछ ऐसी आदतें सिखाएं, जो भविष्य में अच्छा और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करें। हमारे घरों तक अनाज कैसे आता है, इसके लिए कितने लोग मेहनत करते हैं, एक किलोग्राम अनाज उगाने में कितने संसाधन लगते हैं, एक बल्ब जलाने के लिए बिजली कहां से आती है, उस पर देश के कितने संसाधन खर्च होते हैं, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता कितनी जरूरी है, गंदगी से कितनी बीमारियां फैलती हैं, हम अच्छे नागरिक कैसे बन सकते हैं - जैसे सवालों को पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। बच्चों को ईमानदारी का पाठ जरूर पढ़ाना चाहिए। इसके लिए समय-समय पर परीक्षा लेनी चाहिए। कुछ देशों में किसान और व्यापारी अनूठे तरीके से अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान चलाते हैं। वहां सिर्फ सामान रखा होता है, कोई व्यक्ति नहीं होता। सामान की कीमत लिखी होती है और ग्राहक को स्वतंत्रता होती है कि वह मनचाहा सामान ले और निर्धारित कीमत रखकर चला जाए। ऐसे प्रतिष्ठान वहीं चलाए जा सकते हैं, जहां लोगों को बचपन से ही ईमानदारी का पाठ पढ़ाया जाए। कुछ आदतें राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बन जाती हैं। दुनिया उन देशों को खास आदतों की वजह से भी जानती है। हर स्कूल को चाहिए कि वह विद्यार्थियों को अच्छी आदतें सिखाए। इसके साथ एक अच्छी आदत पर इतना जोर दिया जाए कि वह उस गांव/शहर की खासियत बन जाए। जैसे- किसी स्कूल के बच्चे यह संकल्प लें कि वे बस से यात्रा करते समय अपनी सीट बुजुर्गों के लिए छोड़ेंगे। किसी स्कूल के बच्चे यह संकल्प लें कि वे अन्य बच्चों और लोगों को विकृत नामों से संबोधित नहीं करेंगे। ऐसी कई अच्छी आदतें हो सकती हैं। उन्हें अपनाकर हम एक सुंदर और बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। इसके लिए सभी स्कूल पहल करें।

ट्वीटर टॉक

बीकानेर की होनहार बेटी शिक्षा सारण को 10 मीटर एयर पिस्टल टीम एवं मिक्स डबल्स में एशियन राइफलपिस्टल चैंपियनशिप में ऐतिहासिक सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। आपने एशियन चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है।

-सचिन पायलट

भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते के बारे में आपको सच का पता होना चाहिए और अकाट्य सत्य यह है कि यह किसान भाइयों-बहनों के हितों को हानि एक भी नहीं है, हाँ! ध्यान रखिएगा कि इस विषय में नकारात्मक बातों का कोई आधार नहीं है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अलवर के सर्किट हाउस में आज पार्टी के ऊर्जावान पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

समर्पण से आविष्कार

एक किशोर ने 14 साल की उम्र में अपने माता-पिता को बताया कि वह भविष्य में इंजीनियर बनना चाहता है। जर्मनी में पढ़ाई पूरी करने के बाद उसका अधिकांश समय आविष्कारों के लिए शोध और नए-नए प्रयोगों के बीच ही निकलने लगा। एक दिन जब वह अपनी वर्कशॉप में प्रयोग कर रहा था, अचानक उसके इंजन में बहुत जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट से वर्कशॉप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वह खुद भी बुरी तरह घायल हो गया और उसे लंबे समय तक उपचार के लिए अस्पताल में रुकना पड़ा। इतने बड़े हादसे के बावजूद उसने हिम्मत न छोड़ी। स्वस्थ होने के बाद वह फिर अपने वर्कशॉप में लौट आया। वह पूरे उत्साह के साथ नए सिरे से अपने काम में जुट गया। इसके बाद उसने कई सफल आविष्कार किए और कई भाप इंजनों का डिज़ाइन तैयार किया। उसके आविष्कारों में डीजल इंजन प्रमुख था। यह महान इंजीनियर थे रुडोल्फ डीजल। आज का डीजल इंजन रुडोल्फ डीजल के मौलिक सिद्धांत का परिष्कृत और उन्नत संस्करण है। अनेक आविष्कारों के प्रति उसकी समर्पण भावना और कभी हार न मानने की प्रवृत्ति के कारण रुडोल्फ डीजल आज भी नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा बने हुए हैं।

सामयिक

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की ष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं।गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए। कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

नजरिया

'घूसखोर पंडित' फिल्म विवाद से उपजे सवाल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यदि वैश्विक सिनेमा से इस सोच की तुलना की जाए तो अंतर और स्पष्ट हो जाता है। हॉलीवुड या यूरोप में अपराध को व्यक्ति की कमजोरी माना जाता है, उसकी नस्ल या धार्मिक पहचान को शीर्षक का हिस्सा नहीं बनाया जाता। भारत में यह इसलिए संभव है क्योंकि यहाँ का बहुसंख्यक समाज सहिष्णु है और प्रतिक्रिया में संयम बरतता है। अब इस स्थिति से निपटने के लिए सिर्फ भावनात्मक प्रतिक्रिया पर्याप्त नहीं है। जागरूकता के साथ-साथ ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है।

अब यह भ्रम टूट जाना चाहिए कि भारतीय सिनेमा और ओटीटी मनोरंजन कर रहे हैं। सच यह है कि ये प्लेटफॉर्म आज यह तय कर रहे हैं कि समाज में अपराधी कौन है। हालांकि फिल्म घूसखोर पंडित पर देशभर में न सिर्फ ब्राह्मण समाज बल्कि बीएसपी प्रमुख मायावती से लेकर अन्य जाति-बिरादरियों के प्रमुखों की आई आपत्तियों और एफआईआर दर्ज होने के बाद फिल्म मेकर्स ने प्रमोशनल मटेरियल को हटाने का फैसला लिया है, किंतु इस दिशा में हो रहे नकारात्मक प्रयासों ने फिर ये बताया है कि हिन्दू समाज को तोड़ने के लिए उसमें जाति के आधार पर वैमनस्य पैदा करने तथा किसी की पहचान को आरोपित करने के लिए कैसे कला के नाम पर वैचारिक हमला किया जा सकता है।

नीरज पांडे और मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडित' को आप महज एक फिल्म के शीर्षक तक सीमित मत रखिए, कहना होगा कि यह उस दीर्घकालिक और सुनियोजित नैरेटिव का विस्तार है, जिसके तहत भारतीय समाज के भीतर एक वर्ग और एक पहचान को अपराध, पतन और नैतिक गिरावट के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जा रहा है। पिछले कई दशकों से भारतीय दर्शक एक अजीब दोहरे मानदंड का साक्षी है। जब आतंकवाद या हिंसा दिखाई जाती है, तब यह तर्क बार-बार दोहराया जाता है कि आतंकवाद का कोई मज़हब नहीं होता। फिल्मों और वेब सीरीज में आतंकवादी की धार्मिक पहचान को जानबूझकर धुंधला किया जाता है, नाम बदले जाते हैं, पृष्ठभूमि छिपा दी जाती है, ताकि किसी विशेष समुदाय की भावनाएं आहत न हों किंतु जैसे ही विषय भ्रष्टाचार, शोषण या सत्ता का दुरुपयोग होता है, कैमरा अचानक जनेऊ, तिलक, पूजा-पाठ और उपनाम पर टिक जाता है। यह चयनात्मक संवेदनशीलता अपने आप में एक गंभीर सवाल खड़ा करती है।

'घूसखोर पंडित' शीर्षक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ घूसखोरी किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत विकृति न मानकर एक पहचान की विशेषता के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यही वह बिंदु है जहाँ कला की स्वतंत्रता का तर्क कमजोर पड़ जाता है। क्या कोई फिल्मकार घूसखोर मौलाना या घोटालेबाज पादरी जैसे शीर्षक रखने का साहस कर सकता है? यदि उत्तर नहीं है तो इसका अर्थ यह है कि यह स्वतंत्रता नहीं, सुरक्षित लक्ष्य चुनने की रणनीति है। देखा जाए तो भारतीय सिनेमा में यह प्रवृत्ति अचानक नहीं आई। दशकों से पात्रों का निर्माण उनके उपनाम और जातीय पहचान के आधार पर किया जाता रहा है। ब्राह्मण या पंडित को अक्सर लालची, चालाक, षड्यंत्रकारी या सत्ता से चिपका हुआ दिखाया गया। राजपूत या ठाकुर को अत्याचारी जमींदार के रूप में सीमित कर दिया गया, जबकि उनके ऐतिहासिक योगदान, बलिदान और राष्ट्ररक्षा की भूमिका को हाशिये पर डाल दिया गया। बनिया पात्र को सूदखोर और अमानवीय दिखाने की परंपरा भी किसी से छिपी नहीं है। आज यह लगातार दोहराया गया पैटर्न बन चुका है, जिसे धीरे-धीरे समाज के अवचेतन में बैठाने का प्रयास हो रहा है।धार्मिक प्रतीकों का चित्रण भी इसी असंतुलन को दर्शाता है। मंदिरों को अक्सर अंधविश्वास, पाखंड और षड्यंत्र के केंद्र के रूप में दिखाया जाता है, जबकि मस्जिद या दरगाह को शांति, करुणा और आध्यात्मिकता का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। यह तुलना स्वतः ही दर्शक के मन में एक वैचारिक झुकाव पैदा करती है। यह कहना कठिन नहीं कि यह कला का स्वाभाविक विकास न होकर एक खास मानसिक दिशा में सोच को मोड़ने का प्रयास है। कई वेब सीरीज में सवर्ण पात्रों को मानसिक रूप से विकृत, जन्मजात अपराधी या नैतिक रूप से दिवालिया दिखाया जाना इसी दिशा की ओर संकेत करता है। यह सिविल कॉन्फ्लिक्ट नैरेटिव का निर्माण है।

यह नैरेटिव केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं है। विश्वविद्यालय परिसरों में, खासकर जेएनयू, जादवपुर जैसे संस्थानों में, 'ब्राह्मण' या 'पंडित' शब्द को गाली और अपराध के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया जाना इसी मानसिकता का विस्तार है। यह एक ऐसा प्रयोग है, जिसमें हिंदू समाज को बाहरी शत्रु से नहीं, आंतरिक विभाजन के माध्यम से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। चिंताजनक पहलू यह है कि इस प्रक्रिया में बड़ी भूमिका उन्हीं लोगों की है, जो स्वयं इसी समाज से आते हैं। वैश्विक स्वीकृति, पुरस्कार और वैचारिक प्रमाणपत्र पाने की होड़ में अपनी ही जड़ों को कटघरे में खड़ा करना एक खतरनाक प्रवृत्ति बन चुकी है। यदि वैश्विक सिनेमा से इस सोच की तुलना की जाए तो अंतर और स्पष्ट हो जाता है। हॉलीवुड या यूरोप में अपराध को व्यक्ति की कमजोरी माना जाता है, उसकी नस्ल या धार्मिक पहचान को शीर्षक का हिस्सा नहीं बनाया जाता। भारत में यह इसलिए संभव है क्योंकि यहाँ का बहुसंख्यक समाज सहिष्णु है और प्रतिक्रिया में संयम बरतता है। अब इस स्थिति से निपटने के लिए सिर्फ भावनात्मक प्रतिक्रिया पर्याप्त नहीं है। जागरूकता के साथ-साथ ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है। जैसे सिनेमा के लिए सेंसर बोर्ड है, वैसे ही ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए भी स्पष्ट और प्रभावी नीति बनाई जानी चाहिए, जो नाम, जाति और आस्था के आधार पर सामूहिक अपराधीकरण को रोके। जानबूझकर नफरत फैलाने और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। (हि.स.)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एनआरआई छात्रों के साथ फोटो खिंचवाते हुए।

प्राचीन जीवाश्मीकृत उल्टी से 29 करोड़ वर्ष पुराने शिकारी के आहार का पता चला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्लिन। हम कोप्रोलाइट नामक जीवाश्मीकृत मल के बारे में पहले से ही जानते थे। हालांकि हाल की एक खोज से यह बात भी सामने आई है कि उल्टी (रीगर्जिटेशन) भी जीवाश्म में बदल सकती है। जर्मनी में ब्रॉमाकर जीवाश्म स्थल पर एक अत्यंत असामान्य जीवाश्म मिला है–जीवाश्मीकृत उल्टी। यह रीगर्जिटेशन तीन अलग–अलग जानवरों की हड्डियों के अवशेषों से बना है और यह 'साइनैप्सिड' समूह के एक शिकारी से संबंधित है। साइनैप्सिड जानवरों का वह समूह है जिसमें आधुनिक स्तनधारी भी शामिल हैं और इस शिकारी की मौजूदगी इस स्थल पर पहले ही दर्ज की जा चुकी थी। इस स्थल की चट्टानें लगभग 29 करोड़ वर्ष पुरानी हैं और यहां से अब तक अत्यंत अच्छी तरह संरक्षित पौधों, उभयचरों और सरीसृपों के जीवाश्मों के साथ–साथ बड़ी संख्या में पदचिह्न भी मिल चुके हैं। इस बार हमारी टीम को आंशिक रूप से पची हुई हड्डियों का एक छोटा समूह मिला, जिसमें कोई स्पष्ट संरचना या नियमित आकार नहीं था। इससे संकेत मिला कि यह मल नहीं, बल्कि किसी शिकारी द्वारा उगले गए अवशेष हैं। इस खोज का विवरण हाल ही में 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

लेकिन यह कैसे तय किया गया कि यह जीवाश्मीकृत उल्टी ही है?

यह जीवाश्म हड्डियों के एक सघन समूह के रूप में है। ब्रॉमाकर स्थल पर इससे पहले इस तरह का हड्डियों का जमाव कभी नहीं मिला था, जिससे संकेत मिलता है कि इन अवशेषों को किसी शिकारी ने निगला था और बाद में या तो मल के रूप में या फिर उगलकर बाहर निकाला था। कोप्रोलाइट (जीवाश्मीकृत मल) के मामलों में हड्डियों के अवशेष आम तौर पर कार्बनिक मूल की एक स्पष्ट तलछटी संरचना (मल पदार्थ) के भीतर संरक्षित पाए जाते हैं, जो फॉस्फोरस से समृद्ध होती है और हड्डियों के पाचन से जुड़ी जीवाणु गतिविधि का परिणाम होती है। हालांकि, इस नमूने में हड्डियों के अवशेष ऐसी किसी संरचना से घिरे हुए नहीं हैं। माइक्रो–एक्सआरएफ (एक्स–रे फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमेट्री) के जरिए किए गए रासायनिक विश्लेषण में इस मैट्रिक्स में फॉस्फोरस की लगभग अनुपस्थिति की पुष्टि हुई। फॉस्फोरस की यह कमी रीगर्जिटालाइट (जीवाश्मीकृत उल्टी) की एक विशिष्ट विशेषता मानी जाती है, जबकि कोप्रोलाइट में पाचन की अधिक अवधि के कारण फॉस्फोरस की मात्रा काफी अधिक होती है। हमने इस जीवाश्म का त्रि–आयामी (सीटी स्कैन) परीक्षण भी किया। इस गैर–विनाशकारी विधि से प्रत्येक हड्डी का आभासी रूप से पुनर्निर्माण करना और उसकी सटीक पहचान संभव हो सकी।

कुल मिलाकर, अलग–अलग आकार के तीन भिन्न जानवरों को एक ही शिकारी ने निगला था और बाद में उन्हें आंशिक रूप से उगल दिया गया। जीवाश्म रिकॉर्ड में रीगर्जिटालाइट अत्यंत दुर्लभ हैं और अब तक इतने प्राचीन स्थलीय पर्यावरण से संबंधित किसी भी रीगर्जिटालाइट का विवरण सामने नहीं आया था। इस प्रकार, यह खोज किसी स्थलीय कशेरुकी जीव की अब तक ज्ञात सबसे प्राचीन जीवाश्मीकृत उल्टी को दर्शाती है। यह खोज प्रारंभिक पर्मियन काल के शिकारियों के आहार व्यवहार को समझने के लिए एक नया दृष्टिकोण भी खोलती है।

ताकतवर देशों के आगे नहीं झुकने से ईरान को ताकत मिलती है: विदेश मंत्री अरागची

दुबई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ हुई वार्ताओं के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को कहा कि ताकतवर देशों के आगे नहीं झुकने से ईरान को ताकत मिलती है।तेहरान में एक सम्मेलन में राजनयिकों से बातचीत के बाद अरागची ने संकेत दिए कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने पर कायम रहेगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान का यूरेनियम संवर्धन विवाद की जड़ है।ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने शुक्रवार को ओमान में अमेरिकी अधिकारियों से हुई बातचीत की एक ओर तो सराहना की, दूसरी ओर अरागची के बयान से लगता है इन वार्ताओं में चुनौतियां बाकी हैं। ईरान पर समझौता करने के लिए दबाव बनाने के मकसद से अमेरिका पहले ही विमानवाहक यूएसएस अब्राहम लिंकन, जहाजों और लड़ाकू विमानों को पश्चिम एशिया भेज चुका है।

मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम भी एमजीआर के 'बड़े प्रशंसक' हैं: मोदी

कुआलालंपुर/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि ''भारत में हममें से कई लोगों'' की तरह मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम 'एमजीआर' के ''बहुत बड़े प्रशंसक'' हैं। प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में आयोजित दोपहर भोज के समय तमिल अभिनेता की फिल्म 'नालाई नामाधे' का एक गीत प्रस्तुत किया गया था, इसी दौरान मोदी ने इस बात का जिक्र किया।

मारुदुर गोपालन रामचन्द्रन को 'एमजीआर' के नाम से जाना जाता है। वह एक लोकप्रिय भारतीय अभिनेता, निर्देशक और निर्माता थे। उन्होंने तमिलनाडु में 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) पार्टी की स्थापना की और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। उनका निधन 1987 में हुआ।'नालाई नामाधे' अभिनेता की कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक है, जो 1975 में रिलीज हुई थी।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे मित्र, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम द्वारा आयोजित दोपहर भोज में प्रस्तुत गीतों में से एक महान एमजीआर अभिनीत फिल्म 'नालाई नामाधे' का गीत था।'' मोदी ने कहा, ''प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भी भारत में हममें से कई लोगों की तरह एमजीआर के बहुत बड़े प्रशंसक हैं!''मलेशिया, भारतीय मूल के लोगों की सबसे अधिक आबादी वाला दूसरा देश है, जिनमें अधिकतर तमिल लोग शामिल हैं।प्रधानमंत्री मोदी मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इससे पहले उन्होंने कुआलालंपुर में एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मलेशिया में रहने वाले तमिल प्रवासी विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सेवा कर रहे हैं और उन्होंने यह भी कहा कि तमिल प्रवासी कई सदी से मलेशिया में हैं।'

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा अपने बेबाक अंदाज और हाजिरजवाबी के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। अब वह आधिकारिक तौर पर अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। लंबे समय तक परिवार और निजी जीवन को प्राथमिकता देने के बाद सुनीता ने एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस बालाजी मोशन पिक्चर्स के साथ अपनी पहली हिंदी फिल्म साइन कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। सूत्रों के अनुसार, 58 वर्षीय सुनीता इस अनटाइटल्ड फिल्म की करीब 20 दिनों तक शूटिंग करेंगी। हालांकि वह पहले भी टीवी शोज़, इवेंट्स और इंटरव्यू में दिखाई देती रही हैं, लेकिन यह प्रोजेक्ट उनके करियर की आधिकारिक बॉलीवुड शुरुआत माना जा रहा है। खास बात यह है कि सुनीता ने अब तक ग्लैमर इंडस्ट्री की चकाचौंध से दूरी बनाए रखी थी और कभी भी अपने पति की लोकप्रियता का सहारा लेकर फिल्मी करियर शुरू करने की कोशिश नहीं की। पिछले कुछ समय से सुनीता सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी से नई पहचान बना चुकी हैं। उनके पॉडकास्ट इंटरव्यू, सार्वजनिक कार्यक्रमों में बेबाक बयान और यूट्यूब चैनल ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई है। माना जा रहा है कि उनकी इसी लोकप्रियता को देखते हुए एकता कपूर ने उन्हें अपनी फिल्म का हिस्सा बनाया। वहीं हाल ही में गोविंदा भी अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर फैली अफवाहों को लेकर चर्चा में रहे। उन्होंने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें एक साजिश बताया और कहा कि उनकी चुप्पी को गलत तरीके से लिया जा रहा था। अब सुनीता की फिल्मी पारी की शुरुआत के साथ यह स्टार कपल एक बार फिर सकारात्मक वजहों से खबरों में है।

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम, 'हसरतें सीजन 3' में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड 'नया किराएदार' में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है। जैसे–जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी–कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।'' चाहत ने आगे कहा, ''स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है।'' 'हसरतें सीजन 3' में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है।

दिल्ली हाईकोर्ट से विवेक ओबेरॉय को मिली पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सेलेब्स इन दिनों पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट का रुख कर रहे हैं। सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, रजनीकांत, अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन, ऋतिक रोशन और जैकी श्रॉफ समेत कई स्टार्स को कोर्ट से पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा मिल चुकी है। अब इस कड़ी में अभिनेता विवेक ओबरॉय का नाम भी शामिल हो चुका है। कोर्ट ने अपने नए आदेश में साफ कर दिया है कि अभिनेता की बिना परमिशन के उनसे जुड़ी किसी भी सामग्री का इस्तेमाल अपराध होगा। अभिनेता का कोर्ट में पक्ष रख रही अधिवक्ता सना रईस खान ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने विवेक आनंद ओबेरॉय के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए एक निर्णायक आदेश जारी किया है, जिससे उनके नाम, छवि और आवाज की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। न्यायालय ने उल्लंघनकारी सामग्री को तत्काल हटाने का आदेश दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य में उल्लंघन करने वाले लोग कानून से बच नहीं पाएंगे।

अधिवक्ता सना रईस खान के मुताबिक सिनेमा और उद्यम जगत के एक अग्रणी व्यक्ति और दो दशकों से समाज के लिए काम कर रहे ओबेरॉय को जान–बूझकर निशाना बनाया गया है। यह सिर्फ कानूनी उल्लंघन नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन और परिवार पर हमला है। इससे उनके परिवार और छोटे बच्चों पर गलत असर भी पड़ेगा। अभिनेता की कानूनी जीत एक सशक्त मिसाल कायम करती है कि किसी व्यक्ति का वंश सार्वजनिक संपत्ति नहीं है। क्लिकबेट या लाभ पाने के लिए उनके व्यक्तित्व के साथ किया गया खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों को कानूनी तौर पर कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

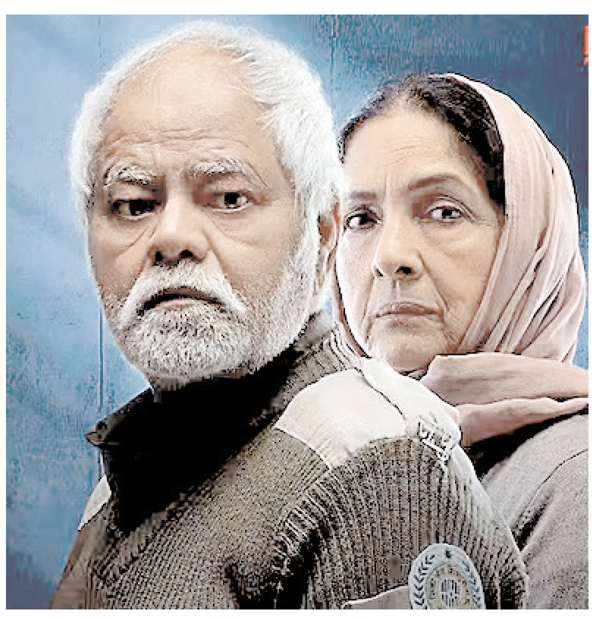

'वध 2' ने पहले दिन की शानदार ओपनिंग

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों का पहले दिन का कलेक्शन यह तय करता है कि दर्शकों का प्यार किस फिल्म पर ज्यादा है। इसी कड़ी में रिलीज हुई दो प्रमुख फिल्मों, 'वध 2' और 'भाभीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन', ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन किया है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 'वध 2' ने पहले दिन लगभग 50 लाख रुपए का कलेक्शन किया है, जबकि 'भाभीजी घर पर हैं' केवल 25 लाख रुपए ही जुटा पाई। 'वध 2' फिल्म पिछले साल की हिट क्राइमथ्रिलर 'वध' का सीक्वल है। कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी शंभू नाथ मिश्रा (संजय मिश्रा) और उनकी पत्नी मंजू (नीना गुप्ता) के इर्दगिर्द घूमती है, जो लंबे समय से जेल की सजा काट रहे हैं। शंभू नाथ अपने बेटे की पढ़ाई और कर्ज चुकाने के लिए जेल से सब्जियां चोरी कर बेचता है, जबकि मंजू का जीवन जेल में बीत रहा है। कहानी में जेल की नई परिस्थितियों, भ्रष्टाचार और जातिवाद की झलक भी है।

फिल्म में जेल के बिगड़ैल कैदी केशव (अक्षय डोगरा) और महिला कैदी नैना (योगिता बिहानी) के बीच संबंध और घटनाओं की जटिलता कहानी को आगे बढ़ाती है। निर्देशक जसपाल सिंह संधू ने इसे बेहद संवेदनशील अंदाज में पेश किया है। कहानी ट्विस्ट और सस्पेंस के जरिए दर्शकों को बांधे रखती है।वहीं, 'भाभीजी घर पर हैं!' की बात करें, तो यह टीवी के लंबे समय से पॉपुलर सिटकॉम पर आधारित है। इसमें अंगूरी भाभी, विभूति मिश्रा, तिवारी और अनीता जैसे किरदार शामिल हैं। फिल्म की शुरुआत टीवी सीरियल के परिचित किरदारों से होती है। कहानी में दिखाया गया है कि विभूति मिश्रा (आसिफ शेख) अपनी पड़ोसी अंगूरी भाभी (शुभांगी अत्रे) को उत्तराखंड लेकर आता है। विभूति और तिवारी हमेशा एक–दूसरे की पत्नियों पर नजर रखते हैं, जैसे सीरियल में दिखाया गया है, लेकिन फिल्म में इसे बड़ा और ज्यादा ड्रामेटिक तरीके से पेश किया गया है। इसी बीच कहानी में कुछ नए किरदार जुड़ते हैं। शांति (रवि किशन) एक दबंग व्यक्ति है, जो अंगूरी भाभी पर दिल हार बैठता है। उसका भाई क्रांति (मुकेश तिवारी), अनीता भाभी के पीछे पड़ जाता है। कहानी दर्शकों का खूब मनोरंजन करती हैं।

महाकाल मंदिर पहुंचे बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह, भस्म आरती में हुए शामिल

उज्जैन/एजेन्सी

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक मीका सिंह शनिवार तड़के करीब चार बजे विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। वे तड़के होने वाली भस्म आरती में शामिल हुए और नंदी हॉल में बैठकर लगभग डेढ़ घंटे तक भगवान महाकाल के दर्शन किए। आरती के दौरान मीका सिंह पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। आरती के पश्चात उन्होंने देहरी से पूजन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। मीका सिंह इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। इसी दौरान वे उज्जैन पहुंचकर श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन और पूजन–अर्चन के लिए पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने मीका सिंह का आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया। इस अवसर पर उन्हें बाबा महाकाल का प्रसाद और स्मृति चिह्न भेंट किया गया। दर्शन के पश्चात मीडिया से रूबरू होते हुए मीका सिंह ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि भगवान महाकाल ने उन्हें अपने दर्शन के लिए बुलाया। जब भी वे इंदौर आते हैं, उज्जैन आकर महाकाल मंदिर में दर्शन अवश्य करते हैं। मीका सिंह ने भस्म आरती के अनुभव को अद्वितीय और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देने वाला बताया। गायक ने मंदिर परिसर की साफ–सफाई और भव्य माहौल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां का वातावरण बहुत ही शांतिपूर्ण और प्यारा है। उन्होंने आगे कहा कि वे अपने परिवार और प्रशंसकों की सुख–समृद्धि के लिए प्रार्थना करने आए हैं ।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरागत विधि–विधान के साथ भस्म आरती संपन्न हुई। मंदिर के कपाट खुलते ही भगवान महाकाल का जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और शहद से बने पंचामृत से पूजन कर कपूर आरती की गई। जटाधारी भगवान महाकाल को रजत चंद्र–त्रिशूल मुकुट धारण कराया गया तथा रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया। भगवान को भांग, चंदन, ड्रायफ्रूट और भस्म अर्पित की गई। शेषनाग को रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और पुष्प मालाओं से सजाया गया।

इसके साथ ही फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। झांझ, मंजीरे और डमरू की गूंज के बीच भस्म आरती संपन्न हुई। नंदी जी का स्नान, ध्यान और पूजन भी किया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पण के पश्चात भगवान महाकाल भक्तों को साकार रूप में दर्शन देते हैं।

लंबे कैरियर में प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी : रणविजय सिंह

मुंबई/एजेन्सी

बदलते समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है, ऐसे में मनोरंजन इंडस्ट्री में बने रहना किसी भी अभिनेता के लिए आसान काम नहीं है। इस अहम मुद्दे को लेकर बॉलीवुड और टीवी के जाने–माने अभिनेता रणविजय सिंह ने आईएएनएस से बातचीत की और बताया कि कैसे उन्होंने खुद को पिछले 20 सालों में बदलते समय के अनुसार ढाला और हर दौर में दर्शकों के बीच प्रासंगिक बने रहे। आईएएनएस से बातचीत करते हुए रणविजय ने कहा, ''आज के समय में केवल एक यादगार प्रदर्शन या हिट फिल्म ही काफी नहीं रहती। दर्शक और इंडस्ट्री बदल रही है। अब लोग एल्गोरिदम और वायरल कंटेंट को ज्यादा महत्व देते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यादगार काम की कोई अहमियत नहीं है। प्रासंगिक बने रहना सबसे जरूरी है। आप लगातार दर्शकों के सामने अपने काम के नए रूप दिखाते रहें और अपने प्रदर्शन को समय के अनुसार ढालें।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं टीवी पर एडवेंचर और रियलिटी शो करता था, तब भी समय के साथ तरीका बदलता रहा। पहले जो तरीका काम करता था, अब वही तरीका पुराने जमाने जैसा लगने लगा। ऐसे में कलाकार को खुद में बदलाव करना और नए प्रयोग करना पड़ता है। यही वजह है कि मैंने हमेशा अपने काम में विविधता बनाए रखी।''

उन्होंने कहा, ''अभिनेता को कभी–कभी अलग तरह के शो करना चाहिए, जिससे दर्शक उनका नया पक्ष देखें। खुद को व्यक्त करना, नया सीखना और लगातार छोटे–छोटे कदम उठाते रहना ही लंबे समय तक सफलता बनाए रखने का रास्ता है।''

रणविजय ने कहा, जीवन और करियर में केवल कुछ साल की सफलता पर्याप्त नहीं होती। अक्सर लोग सोचते हैं कि जब चार या पांच साल शानदार गए, तो अब बाकी जीवन आराम से बीत जाएगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि लंबे समय तक सफल और यादगार बने रहने के लिए लगातार मेहनत करनी पड़ती है। किसी भी अभिनेता या होस्ट को अपने करियर को 40 साल तक ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए।''

रणविजय ने आगे कहा, ''काम ऐसा होना चाहिए जो सही समय पर लोगों के दिल और दिमाग में जगह बना सके। चाहे वह 15 सेकेंड का सोशल मीडिया कंटेंट हो, ओटीटी शोज हों, फिल्में, शॉर्ट फिल्में, खुद लिखी हुई चीजें या यूट्यूब कंटेंट, सबकुछ करना चाहिए। इस तरह आप दर्शकों की नजर में हमेशा बने रहते हैं और अपने काम की अहमियत बनाए रखते हैं। लगातार प्रासंगिक बने रहना ही सफलता की असली कुंजी है।''

उन्होंने कहा, ''अगर आप 30–40 साल तक लगातार लोगों की कहानियों और अपनी खुद की यात्रा का हिस्सा बने रहते हैं, तो यही करियर का सबसे अच्छा मुकाम है। इसके लिए जरूरी है कि आप हमेशा काम करते रहें, अपने आप को दिखाते रहें और समय के अनुसार खुद को ढालते रहें।''

सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण का आखिरी डोज अभियान में 66 बालिकाओं को टीका लगाया गया। इस कार्यक्रम में क्लाउडनाइन हास्पिटल की डॉ प्रेरणा भट्टड़ व सुप्रिता रंगस्वामी के मार्गदर्शन से बालिकाओं को वैक्सीन की डोज लगाई। कार्यक्रम में अध्यक्षा श्वेता बियाणी की टीम ने व्यवस्था संभाली।

जेवाईएस ने साधु साध्वियों को महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में किया आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन (जेवाईएस) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केंद्र में विराजित पन्यास प्रवर गुणहंस विजयजी, ईटा अपार्टमेंट्स में विराजित श्री ज्ञानमुनिजी तथा पार्क वेस्ट अपार्टमेंट्स में विराजित डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी म.सा के दर्शन कर सभी साधु साध्वियों को 31 मार्च को फ्रीडम पार्क में आयोजित महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया। सभी साधु साध्वियों ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया।

उन्होंने युवाओं को समाज से जोड़ने, वर्तमान सामाजिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने, साधार्मिक भक्ति से लेकर स्वावलंबी साधर्मिक निर्माण के विविध आयामों पर मार्गदर्शन दिया तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सम्पूर्ण जैन समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, उपाध्यक्ष रितेश पामेचा, मंत्री सुश्रुत चेलावत, सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी दिनेश खींवेसरा, साधु-साध्वी सेवा समिति के चेयरमैन कमलेश कोठारिया, सहचेयरमैन विशाल पोखरना, वरिष्ठ सदस्य मनोज नंदावत, स्मृति-चिह्न समिति के चेयरमैन अभिषेक कावड़िया, दिलीप पारलेचा, दर्शन बागरेचा आदि उपस्थित थे।

वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चन्नपटना के डॉन बॉस्को इंटरनेशनल स्कूल मेंआयोजित वार्षिकोत्सव 'पवन 2026' का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने कहा कि विद्यार्थियों में एकाग्रता, विनय, गुरु के प्रति आदर की भावना एवं अनुशासन होना अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

प्रस्तावित माचोहल्ली आईमाता मंदिर व भवन का भूमिपूजन व शिलान्यास सम्पन्न

सीरवी समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज ट्रस्ट, माचोहल्ली गेट के तत्वावधान में प्रस्तावित आईमाता मंदिर एवं समाज भवन निर्माण हेतु शनिवार को भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों लोगों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेशजी के बधावा से हुआ, जिसके पश्चात पारंपरिक गैर नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं उत्सवमय बना दिया। इसके बाद वैदिक आचार्यों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ हवन-अनुष्ठान संपन्न कराया गया। हवन के पश्चात आईमाता मंदिर एवं समाज भवन निर्माण हेतु विधिवत भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया। इस आयोजन में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रतापराम गेहलोत, सचिव वेनाराम राठौड़ सहित कार्यकारिणी के पदाधिकारी व सदस्यों की उपस्थिति थी। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज भवन को सामाजिक एकता, धार्मिक आयोजनों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बताते हुए कहा कि यह भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों का क्या भविष्य होगा?

वाटरलू (बेल्जियम)। शीतकालीन ओलंपिक खेलों का 25वां संस्करण हमारे सामने है और इटली चौथी बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है। वर्ष 2026 के मिलानो-कॉर्टिना शीतकालीन ओलंपिक का कार्यक्रम पिछले संस्करणों जैसा ही है- बर्फ और हिम पर खेले जाने वाले खेल, जिन्हें पहाड़ी और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों में आयोजित किया जाता है। लेकिन जिस बर्फीली ठंड की कल्पना हम ओलंपिक खेलों के साथ करते हैं, वह शायद भविष्य में लंबे समय तक संभव नहीं रह पाएगी।

जलवायु परिवर्तन दुनियाभर में शीतकालीन खेलों को बदल रहा है। उत्तरी गोलार्ध में पिछले 50 वर्षों में सर्दियों के मौसम की अवधि छोटी हो गई है। कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान वैश्विक औसत से दोगुनी गति से बढ़ रहा है, जिससे बर्फ की परतों में व्यापक गिरावट आई है।

बर्फीले खेलों के खिलाड़ी इन बदलावों को सीधे महसूस कर रहे हैं। हाल के वर्षों में 'इंटरनेशनल स्की और स्नोबोर्ड फेडरेशन' के कई विश्व कप कार्यक्रम कम हिमपात और असुरक्षित परिस्थितियों के कारण रद्द किए गए। वर्ष 2023 में लगभग 300 चिंतित खिलाड़ियों ने फेडरेशन को पत्र लिखकर जलवायु परिवर्तन पर अधिक कार्रवाई और ''भौगोलिक रूप से उचित'' कार्यक्रम की मांग की, जो बदलते मौसम के अनुरूप हो।

साल 2021 में 20 देशों के 339 पेशेवर और ओलंपिक शीतकालीन खिलाड़ियों व कोचों के सर्वेक्षण में 90 प्रतिशत ने चिंता जताई कि जलवायु परिवर्तन शीतकालीन खेलों के भविष्य को प्रभावित करेगा। शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए जलवायु परिवर्तन भविष्य में खेलों की मेजबानी के स्थानों को मूल रूप से प्रभावित कर सकता है। वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने 2030 के मेजबान शहर के चयन में देरी की ताकि संभावित स्थानों के जलवायु जोखिम को बेहतर समझा जा सके।

जैन तीर्थंकरों का शांति और करुणा का संदेश पूरी मानवता का मार्गदर्शन करता है : फडणवीस

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि जैन तीर्थंकरों द्वारा दिया गया अहिंसा और करुणा का संदेश पूरी मानवता का मार्गदर्शन करता है। नासिक जिले की चांदवड तहसील में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समुदाय का पशुओं के प्रति करुणा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश महत्वपूर्ण है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया पर्यावरणीय समस्याओं से जूझ रही है।

फडणवीस ने छह से 25 फरवरी तक महामस्तकाभिषेक महोत्सव और अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में भाग लेने के लिए मालसेन गांव में णमोकार तीर्थ का दौरा किया। उन्होंने कहा, ''इस भूमि पर पंचकल्याणक उत्सव भगवान श्रीराम की उपस्थिति से धन्य है। यह राष्ट्र की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा, शांति, करुणा और तपस्या का प्रतीक है।'' फडणवीस ने कहा कि तीर्थंकरों द्वारा दिया गया अहिंसा, शांति और करुणा का संदेश न केवल जैन समुदाय के लिए बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने यह भी कहा कि मानवीय मूल्यों और मानवता का संदेश देने वाली णमोकार भूमि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

विरोध

पटना में रविवार को कांग्रेस समर्थक पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी के विरोध में पटना में पुतला जलाते हुए।

किम पार्टी सम्मेलन में पेश कर सकते हैं अगले पांच वर्षों की रणनीति

सियोल। उत्तर कोरिया इस महीने के अंत में एक बड़ा पार्टी सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है, जिसमें नेता किम जोंग उन अगले पांच वर्षों के लिए देश की घरेलू और विदेश नीति की रूपरेखा पेश कर सकते हैं। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी।

सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' का यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम तेज किए हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के साथ उसके रिश्ते और गहरे हुए हैं, लेकिन इससे अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ उसका तनाव भी बढ़ गया है।इस तरह का सम्मेलन इससे पहले किम ने वर्ष 2016 और 2021 में आयोजित किया था।उत्तर कोरिया की 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने खबर में बताया कि किम जोंग उन की अध्यक्षता में पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो की बैठक हुई, जिसमें फैसला लिया गया कि सम्मेलन फरवरी के अंत में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, सरकारी मीडिया ने अभी इसकी तारीख या एजेंडा का खुलासा नहीं किया है। यह सम्मेलन कई दिनों तक चल सकता है। हाल के हफ्तों में किम ने हथियारों के परीक्षणों की निगरानी की है और सैन्य ठिकानों तथा आर्थिक परियोजनाओं का दौरा किया है।

मनोज बने जैन दोस्ती फेडरेशन के अध्यक्ष व आशिक बने महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन दोस्ती फेडरेशन की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी समिति का गठन गोड़वाड़ भवन में हुआ। फेडरेशन सामाजिक सेवा, चैरिटी कार्यों एवं जैन समाज की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता है। इस चुनाव में 35 सदस्यों ने भाग लिया और नए पदाधिकारियों का चुनाव किया। नई टीम में महेन्द्र कटारिया को चेयरमैन, मनोज सुराणा को अध्यक्ष, यशवंत बोहरा को उपाध्यक्ष, आशिक पिरगल को महासचिव, संदीप कटारिया को सहसचिव, अनीता कोठारी को कोषाध्यक्ष व आकाश भंडारी को पीआरओ के रूप में चयनीत किया गया। इसके अलावा पूर्व अध्यक्ष मितेश सुराणा को पदेन सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

स्वच्छता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के स्वच्छता आंदोलन परिवार द्वारा 25वां स्वच्छता अभियान का आयोजन कुसुगल रोड स्थित पतंग उत्सव मैदान में किया गया। इस अवसर पर नगर निगम सदस्य उमा मुकुंद, वी. मुकुंद, सुनील गुमास्ते, वाईबी पाटील, समाजसेवी विनोदकुमार पटवा, सहित अनेक सदस्यों ने स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया और क्षेत्र की साफ सफाई की। विनोद कुमार पटवा द्वारा पतंग उत्सव में आने वाले सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे कचरा ज़मीन पर न फेंकें एवं कचरे को निर्धारित कूड़ेदानों में ही डालें, ताकि स्वच्छता बनी रहे।

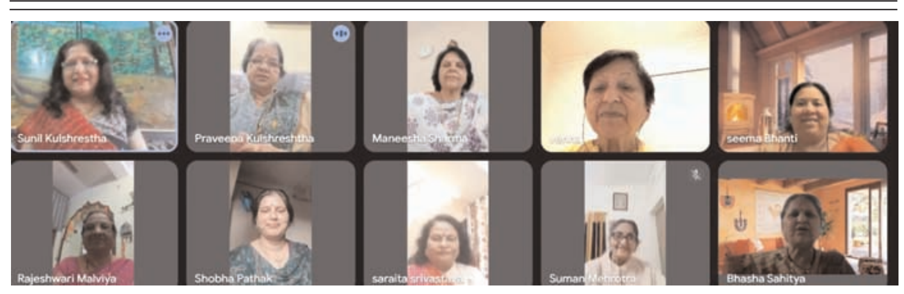

भाषा साहित्य मंच की गोष्ठी में देशभक्ति गीत एवं शिव भजनों की सरिता बही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाषा साहित्य मंच की फरवरी माह की मासिक गोष्ठी गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर आधारित रही। संचालन सुषमा कुलश्रेष्ठ ने किया। भाषा साहित्य मंच की अध्यक्षा व संस्थापिका डॉ ऊषा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरिता श्रीवास्तव द्वारा भावपूर्ण माँ शारदे की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । ऊषा श्रीवास्तव ने सबका स्वागत किया। गोष्ठी में अमेरिका से जुड़ी डॉ. सीमा भांति, डॉ. सुमन मल्होत्रा, डॉ. ऊषा श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, वीणा सरीन, राजेश्वरी मालवीय, शोभा सतीश पाठक, मनीषा शर्मा, सुषमा कुलश्रेष्ठ आदि ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। डॉ सुमन मल्होत्रा ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना की । अंत में प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद दिया।

तेयुप दासरहल्ली के सदस्यों ने गुरुदेव की 72 घंटे की जप अभ्यर्थना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा नेपाल के साथ साथ पूरे देश की 368 परिषदों में 6 फरवरी तक 54 दिवसीय जप अभ्यर्थना-2.0 के माध्यम से अखंड जाप का आयोजन किया। इसी कड़ी में तेयुप टी दासरहल्ली के सदस्यों ने कुल 72 घंटे का जाप किया।

तेयुप टी दासरहल्ली के अध्यक्ष राकेश चावत ने बताया कि हमारी परिषद ने जाप करके गुरुदेव के प्रति श्रद्धा अर्पित की। मंत्री दिलीप पितलिया ने अन्य जानकारी दी। साध्वीश्री संयमलताजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि अभातेयुप द्वारा इस कार्य से युवाओं को आध्यात्म की धारा से जोड़ने के लिए तप व जप के माध्यम से अच्छा प्रयास किया जा रहा है।

हाथियों ने किसान को कुचला, स्थानीय लोगों ने की मुआवजे मांग

इरोड/भाषा। तमिलनाडु के इरोड में रविवार तड़के सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य में हाथियों के झुंड ने 30 वर्षीय एक किसान को कुचलकर मार डाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान मगेश के रूप में हुई, जो थलावाड़ी के पास एक खेत का मालिक था।वन अधिकारियों के अनुसार, वह फसल को नुकसान पहुंचा रहे जंगली जानवरों को भगाने के लिए रात में अपने खेत में गया था। उन्होंने बताया कि देर रात लगभग दो बजे हाथियों का एक झुंड खेत में घुस आया और फसलों को नुकसान पहुंचाने लगा। अधिकारियों ने बताया कि मगेश ने शोर मचाकर और पटाखे फोड़कर हाथियों को भगाने की कोशिश की।

केरल सरकार के इशारे पर शबरिमला सोना चोरी मामले में जानकारी लीक कर रही है एसआईटी : अदूर प्रकाश

कोल्लम/भाषा। केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के संयोजक अदूर प्रकाश ने रविवार को आरोप लगाया कि शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी के कुछ अधिकारी राज्य की एलडीएफ सरकार के इशारे पर मीडिया को जानकारी लीक कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद ने विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा हाल ही में की गई पूछताछ के संबंध में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। अदूर प्रकाश पर मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी से संबंध रखने का आरोप है।

केरल उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद गठित एसआईटी, पहाड़ी मंदिर में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से सोने की चोरी से संबंधित दो मामलों की जांच कर रही है।एसआईटी ने अब तक इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड के दो पूर्व अध्यक्ष भी शामिल हैं। दोनों ही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से जुड़े हुए हैं।प्रकाश ने आरोप लगाया कि उनकी पूछताछ का विवरण एसआईटी के कुछ अधिकारियों द्वारा लीक किया गया था, जिन्हें विशेष रूप से ऐसा करने का काम सौंपा गया था।

कांग्रेस सांसद ने दावा किया, ''मुझे नहीं लगता कि एसआईटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऐसा किया है। हालांकि, एसआईटी के अन्य अधिकारियों को विशिष्ट कार्य सौंपे गए थे, और उन्हीं कर्तव्यों के अनुसार जानकारी लीक की जा रही है।''प्रकाश ने कहा कि उन्होंने निर्देशानुसार, समय मिलने के बाद एसआईटी के समक्ष पेशी की और उनसे पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए।संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के संयोजक ने आरोप लगाया, ''बयान दर्ज करने के दौरान, ऐसी खबरें सामने आईं कि मुझसे मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी की मौजूदगी में पूछताछ की गई थी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**